वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 76 मंगलवार 25 अगस्त 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जैन धर्म व भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए गया दल विदेश यात्रा कर जयपुर लौटा

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म और भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जय जिनेंद्र ग्रुप, महावीर नगर का 10 सदस्यीय दल 25 जुलाई को चार सप्ताह की अमेरिका यात्रा पर रवाना हुआ। दल ने सैन फ्रांसिस्को, ऑरलैंडो, साउथ लेक, फ्रेस्नो, लॉस एंजिलिस, लास वेगास, नियाग्रा फॉल्स, वॉशिंगटन सहित विभिन्न स्थानों की यात्रा की। यात्रा के दौरान दल ने विभिन्न जैन मंदिरों के दर्शन किए और वहां जैन समाज के लोगों से मुलाकात कर धर्म चर्चा की। श्री दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री एवं ग्रुप के सुरेंद्र-मृदुला जैन पांड्या ने बताया कि अमेरिका में चार सप्ताह के प्रवास के दौरान दल ने विभिन्न राज्यों की यात्रा की तथा वहां स्थित जैन मंदिरों के दर्शन किए। इस दौरान जैन धर्म एवं भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार के साथ स्थानीय जैन समाज के लोगों से संवाद भी किया गया। उन्होंने बताया कि यात्रा की शुरूआत सैन फ्रांसिस्को एयरपोर्ट पहुंचने के बाद जैन मंदिर के दर्शन से हुई। वहां दिगंबर और श्वेतांबर दोनों जैन पंथों का एक ही मंदिर है, जहां दोनों पंथों के श्रद्धालु मिलकर पूजा-अर्चना करते हैं। दल ने सैन फ्रांसिस्को और ऑरलैंडो स्थित जैन मंदिरों में भी दर्शन किए। इस दल में सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश नरेंद्र कुमार-मधुबाला जैन, सुरेश-नीता काला, कैलाश-मंजू जैन तथा सुरेश-शशि सोगानी सहित अन्य सदस्य शामिल थे। चार सप्ताह की यात्रा पूरी कर दल जयपुर लौट आया।

दिगंबर जैन महासमिति
महिलांचल राजस्थान
परस्परोपग्रहो जीवानाम्
परस्परोपग्रहो जीवानाम्
प्रस्तुत करता है
सतरंगी सावन
सावन के रंग, लहरिया की बहार, सखियों का साथ और मस्ती अपार!
रंगों, उमंगों, मस्ती और खुशियों से सजी
एक यादगार सावन महफिल!
25 अगस्त
समय
दोपहर 1:00 बजे से
VENUE
इंद्रलोक,
भट्टारक जी की नसियां
मुख्य अतिथि
श्रीमती शशि जी सोगानी
विशिष्ट अतिथि
श्रीमती निशा शाह
दीप प्रज्वलन कर्ता
श्रीमती सीमा जी
श्रीमान राजीव जी जैन
गाज़ियाबाद
पुरस्कार वितरण कर्ता
अर्चना जैन
मीनाक्षी जैन
टिकट दर
प्रति व्यक्ति
₹300
गौरवमयी उपस्थिति
श्रीमती कुसुम जी-श्रीमान उमराव मल जी सांघी
श्रीमती रितु जी-श्रीमान सुधांशु जी कासलीवाल
समारोह गरिमा
श्रीमती मृदुला जी
श्रीमान सुरेंद्र जी पांड्या
समारोह शिरोमणि
श्रीमती आशा रानी जी श्रीमान विवेक जी काला
कार्यक्रम के खास आकर्षण
सतरंगी सावन क्वीन
बैस्ट लहरिया लुक प्रतियोगिता
सावन डांस धमाल
टेलेंट तड़का
HOUSIE
हाउजी धमाल
लकी ड्रॉ – आकर्षक उपहारों के साथ
लजीज भोजन – स्वाद और खुशियों का शानदार संगम
तो तैयार हो जाइए...
सजिएं, संवरिए और आइए "सतरंगी सावन" की रंगीन महफिल में!
आपकी मौजूदगी इस आयोजन की खूबसूरती को और बढ़ाएगी!
स्टॉल पर अपने उत्पाद बेचने हेतु स्टॉल बुक करें
स्टॉल दर ₹2100
संपर्क करें : शकुंतला जी
निवेदक
शकुंतला बिंदायका
अध्यक्ष
दिगंबर जैन महासमिति
महिलांचल राजस्थान
एवं
संगिनी फॉरएवर सोशल ग्रुप
कृपया सभी कार्यकारी सदस्य
10-10 टिकट अवश्य लें
सुनीता गंगवाल
मंत्री
कोषाध्यक्ष
उर्मिला जैन
अनिल जैन आईपीएस
अंचल अध्यक्ष
उत्तमचंद पांड्या
अंचल निवर्तमान अध्यक्ष
महावीर बाकलीवाल
अंचल मंत्री
रमेश सौगानी
अंचल कोषाध्यक्ष

मनुष्य-जीवन अनमोल है, दुर्लभता से प्राप्त है: विशुद्ध सागर जी गुरुदेव

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

दिल्ली में विराजित दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति के उन्नायक पट्टाचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी गुरुदेव ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य जीवन अनमोल है और बड़ी दुर्लभता से प्राप्त होता है। व्यक्ति को प्रतिक्षण जाग्रत रहना चाहिए और सदैव कुशल कार्य करने का प्रयास करना चाहिए। आपका एक प्रयास किसी की जिंदगी को रोशन कर सकता है। उन्होंने कहा कि सूर्य की एक किरण अंधकार को नष्ट कर देती है। गुरु की एक सीख जिंदगी बदल देती है। अग्नि की एक चिंगारी विशाल ईंधन को जलाकर भस्म कर देती है। एक शत्रु जीवन को अशांत कर देता है। एक भूल जीवन में शूल बन जाती है। एक चूक जीवन का अंत कर सकती है। एक निर्णय जीवन की धारा को बदल देता है। उन्होंने कहा कि एक वोट से नेता चुनाव हार सकता है। एक अंक से योग्य विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हो जाता है। एक बूंद विष भोजन को विषाक्त कर देती है। एक मल की कणिका से भोजन अशुद्ध हो जाता है। कषाय की एक कणिका साधक की साधना को भंग कर सकती है। एक बूंद से ही इंसान का जन्म होता है। वही एक बूंद सीप में गिरकर मोती बन जाती है। एक क्षण की कषाय व्यक्ति को कलंकित कर देती है।

सत्य जानो, सत्य मानो

विशुद्ध सागर जी ने कहा कि सत्य जानने के लिए पुरुषार्थ आवश्यक है। सत्य को जानना कठिन है। व्यक्ति सत्य को नहीं जानने के कारण ही दुःखी होता है। सत्य को जानना और सत्य को मानना अत्यंत दुर्लभ है। जो सत्य को जानता है, वह कभी सत्य से विमुख नहीं होता।

घर का वास्तु कैसे ठीक करें

उन्होंने कहा कि जिस घर में गुरु का आशीर्वाद नहीं, बुजुर्ग माता-पिता का सम्मान नहीं, उस घर का वास्तु कभी ठीक नहीं हो सकता। कटु वचन ही घर का वास्तु खराब करते हैं। घर को स्वर्ग बनाना है तो परस्पर विनय करें और मिश्री से भी मधुर वचन बोलें। संतुलित शाकाहार करें। भोजन सही होगा तो घर का वातावरण भी स्वस्थ और सुखद रहेगा। परस्पर का प्रेम और वात्सल्य ही घर के वास्तु को ठीक करता है। उन्होंने कहा कि कषायजन्य अशुभ भाव, अशुभ भाषा और अशुभ वेश ही अमंगल हैं। भाव-मंगल ही प्रधान मंगल है। जब भाव मंगल होते हैं तो सब मंगल ही मंगल होता है। जीवन को मंगलमय बनाना है तो अपने भावों को मंगलमय करें। उन्होंने स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली पर जोर देते हुए कहा कि स्वादिष्ट भोजन, मधुर एवं विनयपूर्ण वाणी, सादा वस्त्र, पूरक आहार, स्वच्छ वायु और आकर्षक मुख-मुद्रा से भी जीवन में सकारात्मकता आती है और घर का वातावरण सुखद बनता है।

उत्साह महान शक्ति

विशुद्ध सागर जी ने कहा कि किसी व्यक्ति को अपना बनाना हो तो उसकी प्रशंसा करें। उत्साह महान शक्ति है। प्रशंसा और पुरस्कार से उत्साह का संचार होता है। सफलता के लिए उमंग और उत्साह बहुत आवश्यक हैं। उत्साहपूर्वक किया गया कार्य विशिष्ट फल प्रदान करता है।

श्री अभिषेक अशोक पाटील
कार्याध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद, कोल्हापुर

जैन सोशल ग्रुप सिद्धा परिवार ने किया 'स्वास्थ्य ही धन है' कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वयं और अपने परिवार के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के उद्देश्य से जैन सोशल ग्रुप सिद्धा परिवार की ओर से ''स्वास्थ्य ही धन है'' मेडिकल अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जेएसजीआईएफ नॉर्दर्न रीजन द्वारा आयोजित सेवा सप्ताह के अंतर्गत 16 से 23 अगस्त 2026 तक विभिन्न सेवा गतिविधियां आयोजित की गईं। इसी क्रम में शनिवार, 22 अगस्त को जैन सोशल ग्रुप सिद्धा परिवार ने मणिपाल हॉस्पिटल के सहयोग से सीकर रोड स्थित मणिपाल हॉस्पिटल के ट्रेनिंग हॉल, सेकंड फ्लोर पर शाम 6 बजे से रात 9:30 बजे तक मेडिकल अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरूआत सूर्यास्त से पूर्व सिद्धा परिवार के सदस्यों के लिए सामूहिक भोजन के साथ हुई। इसके बाद मणिपाल हॉस्पिटल के वरिष्ठ यूरोलॉजिस्ट डॉ. महेश बगरिया एवं वरिष्ठ गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. नेहा

सिद्धा परिवार के दंपती सदस्यों ने चिकित्सकों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण मणिपाल हॉस्पिटल की ओर से सबसे पहले पहुंचने वाले सिद्धा परिवार के 25 दंपती सदस्यों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान करना रहा।

गोदारा ने रोजमर्रा के जीवन में छोटे-छोटे बदलाव और सावधानियां अपनाकर स्वयं तथा अपने परिवार के स्वास्थ्य को बेहतर रखने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। चिकित्सकों ने स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न सामान्य समस्याओं, उनकी रोकथाम तथा स्वस्थ जीवनशैली के बारे में विस्तार से समझाया और सदस्यों को चिकित्सकीय सलाह को अपने दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। सिद्धा परिवार के दंपती सदस्यों ने चिकित्सकों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण मणिपाल हॉस्पिटल की ओर से सबसे पहले पहुंचने वाले सिद्धा परिवार के 25 दंपती सदस्यों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में सिद्धा परिवार की ओर से संस्थापक अध्यक्ष धीरज कुमार पाटनी, सीमा पाटनी, अध्यक्ष सौरभ गोधा, रतिका गोधा, निवर्तमान अध्यक्ष दिनेश काला, नीलम काला, तारा पांड्या, सहसचिव वीरेंद्र काला, कविता काला, संजय काला, सुनीता काला, मुकेश दोसी, मनीषा दोसी, ज्ञान जैन, सपना जैन, सोनिया जैन, जितेंद्र जुली जैन, जितेंद्र हेमा जैन, रोहित सोगानी, अंकित पारुल काला, सुगन पापड़ीवाल, प्रमोद छाबड़ा, मनोज श्वेता जैन, हितेंद्र जैन, सुधीर समता जैन, प्रवीण मनीषा जैन, मनोज प्रियंका जैन सहित अन्य सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सिद्धा परिवार के सदस्यों के साथ-साथ मणिपाल हॉस्पिटल की ओर से कार्यक्रम के सूत्रधार धीरज अरोड़ा एवं कुमार टांक का विशेष आभार व्यक्त किया गया।

राजनीति

तपते शहर, जलता भविष्य

भारतीय शहरों में बढ़ती भीषण गर्मी अब मौसम संबंधी घटना नहीं, बल्कि जलवायु न्याय का मुद्दा बन गई है। लू के प्रभाव आवास, आय, रोजगार, पानी, बिजली और गर्मी से बचने की क्षमता में मौजूद असमानताओं से जुड़े हैं। संपन्न लोग वातानुकूलित घरों और दफ्तरों में राहत पा सकते हैं, जबकि लाखों शहरी गरीबों को काम और आवागमन के दौरान गर्मी सहनी पड़ती है। दिल्ली में दर्ज अत्यधिक सतही तापमान इस असमान वास्तविकता की ओर संकेत करता है। वैश्विक तापमान बढ़ने से लू की घटनाएं अधिक बार और तीव्र हो रही हैं। अनियोजित शहरीकरण समस्या बढ़ाता है। कंक्रीट और डामर ऊष्मा सोखकर धीरे-धीरे छोड़ते हैं। इससे शहरी ऊष्मा द्वीप प्रभाव पैदा होता है और रात में भी शहर गर्म रहते हैं। जल निकायों और हरित क्षेत्रों का सिमटना गंभीर बनाता है। पेड़ और हरित क्षेत्र छाया तथा वाष्पोत्सर्जन से तापमान नियंत्रित करते हैं। बढ़ती इमारतों और सड़कों से हरियाली घट रही है। घनी इमारतें हवा का प्राकृतिक प्रवाह बाधित करती हैं। असर उन इलाकों में अधिक होता है जहां आबादी घनी और सुविधाएं सीमित हैं। गरीब परिवार अक्सर अनौपचारिक बस्तियों या कमजोर घरों में रहते हैं, जहां वेंटिलेशन कम, इन्सुलेशन सीमित और छतें गर्मी सोखने वाली सामग्री की होती हैं। बिजली की अनियमित आपूर्ति और शीतलन उपकरणों की लागत परेशानी बढ़ाती है। लंबे गर्मी दौर में घर राहत के बजाय जोखिम बन सकता है। अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिक सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। सड़क विक्रेता, निर्माण श्रमिक, सफाईकर्मी, डिलीवरी कर्मी और घरेलू कामगार दिन के सबसे गर्म घंटों में काम करने को मजबूर होते हैं। बीमारी या गर्मी के कारण छुट्टी लेने पर आय प्रभावित हो सकती है। गर्मी उत्पादकता घटाती, थकान बढ़ाती और घरेलू खर्च बढ़ाती है। स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ता है। निर्जलीकरण, सिरदर्द, चक्कर, कमजोरी और नींद में बाधा सामान्य समस्याएं हैं। बुजुर्ग, छोटे बच्चे और कमजोर लोग अधिक संवेदनशील होते हैं। कम आय वाले परिवारों की स्वच्छ पानी, चिकित्सा और शीतलन सुविधाओं तक सीमित पहुंच जोखिम बढ़ाती है।

संपादकीय

समानता, अधिकार और संवेदनशीलता का संतुलन

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में राज्य को निर्देश दिया गया है कि वह भारत के समस्त राज्यक्षेत्र में नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता प्राप्त करने का प्रयास करे। यह नीति-निर्देशक सिद्धांत संविधान निर्माताओं की दूरदर्शिता को दर्शाता है। आज उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू होने तथा गुजरात, असम, राजस्थान और मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों में इस दिशा में पहल के कारण यह विषय फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में है।

समान नागरिक संहिता का मूल उद्देश्य विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, गोद लेने और भरण-पोषण जैसे व्यक्तिगत मामलों में धर्म आधारित अलग-अलग कानूनों के स्थान पर सभी नागरिकों के लिए समान कानूनी ढांचा उपलब्ध कराना है। वर्तमान में विभिन्न धार्मिक समुदायों के अलग-अलग पर्सनल लॉ हैं। समर्थकों का तर्क है कि इन व्यवस्थाओं में महिलाओं के अधिकारों को लेकर असमानताएं बनी हुई हैं। बहुविवाह और उत्तराधिकार जैसे विषयों पर अलग-अलग प्रावधान लैंगिक समानता के प्रश्न खड़े करते हैं। समान संहिता महिलाओं को अधिक स्पष्ट कानूनी सुरक्षा दे सकती है और नागरिक अधिकारों की समानता को मजबूत कर सकती है। समर्थकों का यह भी तर्क है कि आपराधिक कानून सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होते हैं, तो विवाह और उत्तराधिकार जैसे नागरिक मामलों में भी समानता का प्रयास होना चाहिए। शाहबानो प्रकरण सहित अनेक घटनाओं ने व्यक्तिगत कानूनों में सुधार की बहस को व्यापक बनाया। उत्तराखंड की व्यवस्था में विवाह का पंजीकरण, बहुविवाह पर रोक और लिव-इन संबंधों के पंजीकरण जैसे प्रावधानों को समर्थक सामाजिक व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानते हैं। उनके अनुसार कानूनी समानता राष्ट्रीय एकता को भी मजबूत कर सकती है। हालांकि, विरोधियों की चिंताएं भी महत्वपूर्ण हैं। उनका कहना है कि संविधान का अनुच्छेद 25 धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है और पर्सनल लॉ कई समुदायों की धार्मिक तथा सांस्कृतिक पहचान से जुड़े हैं। बिना पर्याप्त संवाद के एक समान व्यवस्था लागू करने से अल्पसंख्यक समुदायों में असुरक्षा पैदा हो सकती है। उनका मानना है कि सुधार व्यापक सहमति और समुदायों की भागीदारी से होने चाहिए। आदिवासी समुदायों की विशिष्ट परंपराओं को संरक्षण देने की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है। आलोचक यह सवाल उठाते हैं कि समान नागरिक संहिता कहीं सामाजिक सुधार के बजाय राजनीतिक मुद्दा तो नहीं बन रही। वास्तविकता यह है कि समान नागरिक संहिता को केवल धार्मिक या राजनीतिक दृष्टिकोण से देखना उचित नहीं होगा। यह नागरिक अधिकार, लैंगिक समानता और कानूनी न्याय से जुड़ा विषय है। गोवा में लंबे समय से एक समान सिविल व्यवस्था का उदाहरण मौजूद है। इससे यह संकेत मिलता है कि विविध सामाजिक परिस्थितियों में भी साझा नागरिक कानून की व्यवस्था संभव है लेकिन इसकी सफलता कानून बनाने से अधिक उसके लागू करने के तरीके पर निर्भर करेगी। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बहू को बेटी का सम्मान मिले

कांतिलाल मांडोत

विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों और दो जीवनों को जोड़ने वाला पवित्र सामाजिक संस्कार है। शहनाई, वरमाला, अग्नि के फेरे और जीवनभर साथ निभाने के संकल्प के साथ दो लोग गृहस्थ जीवन की शुरूआत करते हैं। विवाह का आधार प्रेम, विश्वास, सहयोग और जिम्मेदारी होना चाहिए, लेकिन दहेज जैसी कुरीति ने इस पवित्र संबंध को कई जगह आर्थिक सौदे में बदल दिया है। आज लड़के की शिक्षा, योग्यता, संस्कार और व्यक्तित्व से अधिक यह देखा जाने लगा है कि वह विवाह में कितना धन, कितना सोना, कौन सी कार और कितना सामान लेकर आएगा। बेटा जीवनसाथी बनने के बजाय मानो नीलामी की वस्तु बन जाता है। जिस परिवार की आर्थिक क्षमता अधिक हो, उसके साथ संबंध जोड़ने की मानसिकता सामाजिक विकृति का संकेत है। दहेज की मूल परंपरा और आज की विकृति में बड़ा अंतर है। पहले माता-पिता अपनी सामर्थ्य के अनुसार बेटी को स्नेहपूर्वक कुछ सामान या धन देते थे, ताकि वह नए घर में जीवन की शुरूआत कर सके। इसमें मांग या दबाव नहीं होता था। बाद में जब वर पक्ष ने इसे अधिकार समझकर मांगना शुरू किया, तो यह परंपरा सामाजिक अभिशाप बन गई। दहेज का दबाव विवाह से पहले ही शुरू हो जाता है। नकद राशि, कार, सोना और अन्य सामान की मांग पूरी न होने पर कई रिश्ते टूट जाते हैं। लड़की के माता-पिता कर्ज लेकर सामाजिक प्रतिष्ठा बनाए रखने का प्रयास करते हैं और वर्षों तक आर्थिक बोझ उठाते हैं। विवाह के बाद भी अतिरिक्त मांगें शुरू हो सकती हैं। मांग पूरी न होने पर बहू को मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना झेलनी पड़ती है। गंभीर मामलों में हिंसा और मृत्यु तक की घटनाएं सामने आती हैं। सबसे बड़ी आवश्यकता सोच बदलने की है। जिस बहू को घर में बेटी जैसा सम्मान मिलना चाहिए, उसके साथ मायके से आए सामान के आधार पर व्यवहार करना मानवता के विरुद्ध है। सास-ससुर जब यह समझेंगे कि घर आई युवती किसी दूसरे की बेटी नहीं, बल्कि उनकी अपनी बेटी के समान है, तभी दहेज के खिलाफ वास्तविक परिवर्तन शुरू होगा। दहेज लेने से लड़के के परिवार की प्रतिष्ठा बढ़ती नहीं, बल्कि घटती है। जो माता-पिता अपने बेटे की कीमत तय करते हैं, वे उसकी योग्यता और संस्कारों का अपमान करते हैं। युवकों को आगे बढ़कर घोषणा करनी चाहिए कि वे विवाह में किसी प्रकार का दहेज स्वीकार नहीं करेंगे। युवतियों को भी दहेज मांगने वाले परिवारों के सामने अपने सम्मान से समझौता नहीं करना चाहिए। माता-पिता को विवाह को सामाजिक प्रदर्शन बनाने के बजाय सादगी और संस्कार का अवसर बनाना होगा। सामूहिक और सादगीपूर्ण विवाह को प्रोत्साहन देने से अनावश्यक खर्च और सामाजिक दबाव दोनों कम होंगे। धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को भी बिना दहेज विवाह करने वाले परिवारों और युवाओं को सम्मानित कर सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। जैन समाज के संदर्भ में यह जिम्मेदारी और महत्वपूर्ण हो जाती है। भगवान महावीर ने त्याग, संयम और अपरिग्रह का संदेश दिया। ऐसे में धन के लोभ में विवाह संबंध तय होना गंभीर आत्ममंथन का विषय है। समाज को आर्थिक स्थिति से अधिक संस्कार, योग्यता और चरित्र को महत्व देना चाहिए। दहेज केवल बेटी के परिवार को नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि पूरे समाज की नैतिकता को कमजोर करता है। इससे परिवारों में तनाव, कर्ज और सामाजिक असमानता बढ़ती है।

ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ने लगाया सेवा का महाशिविर, चिकित्सा-नेत्र जांच के साथ हुआ रक्तदान

जयपुर. शाबाश इंडिया

ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट (रजि.) के तत्वाधान में राजस्थान हॉस्पिटल, एएसजी आई हॉस्पिटल एवं नवजीवन ब्लड बैंक के सहयोग से रविवार को बरकत नगर स्थित श्री रामेश्वर शिवालय में नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श, विशाल नेत्र जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. सीएमए अभिषेक जैन, संस्थापक, श्री दिगंबर जैन सन्मति स्कूल की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवा और रक्तदान जैसे कार्य समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। शिविर में राजस्थान हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्त्री रोग, हड्डी रोग एवं जनरल फिजियोथैरेपी से संबंधित मरीजों की जांच कर उन्हें नि:शुल्क चिकित्सकीय परामर्श दिया। शिविर में ब्लड शुगर, बीपी, ईसीजी, लिपिड प्रोफाइल एवं हीमोग्लोबिन जैसी स्वास्थ्य जांच सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। वहीं, एएसजी आई हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लोगों की आंखों की जांच की तथा मोतियाबिंद, चश्मे एवं अन्य नेत्र संबंधी समस्याओं के संबंध में आवश्यक परामर्श दिया। नवजीवन ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा में योगदान दिया। ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद जैन भंवर ने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्ग तक स्वास्थ्य एवं जनसेवा की सुविधाएं पहुंचाना है। इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ रक्तदान एवं स्वास्थ्य जागरूकता के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। मनीषा जैन 'कुसुम' ने राजस्थान हॉस्पिटल, एएसजी आई हॉस्पिटल एवं नवजीवन ब्लड बैंक के चिकित्सकों तथा पूरी टीम के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने शिविर में भाग लेने वाले सभी नागरिकों, रक्तदाताओं एवं कार्यकर्ताओं को भी धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संयोजन मनीष भार्गव ने किया। इस अवसर पर राजीव भारती पाठक, अशोक जैन, सुनीता जैन, मंजू जैन, शंभू जैन, पारस, रेखा जैन, प्रेरणा जोशी, विशाल गौतम सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, कार्यकर्ता एवं सहयोगी उपस्थित रहे।

अनुष्का माथुर को "बिना आंच के खाना बनाना" प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार

बड़ौदा. शाबाश इंडिया

दिल्ली पब्लिक स्कूल, बड़ौदा में छोटे बच्चों के लिए "बिना आंच के खाना बनाना" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बच्चों ने बिना गैस या आग का उपयोग किए विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट एवं आकर्षक व्यंजन तैयार किए। प्रतियोगिता में जोधपुर निवासी एवं प्रेप कक्षा की छात्रा अनुष्का माथुर ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और आकर्षक प्रस्तुति से सभी का ध्यान आकर्षित किया। अनुष्का को प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। अनुष्का के पिता अभिषेक माथुर एवं माता कृतिका हैं। अनुष्का इससे पूर्व भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर कई खिताब एवं पुरस्कार प्राप्त कर चुकी हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय की ओर से अनुष्का को पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। उनकी इस उपलब्धि पर परिजनों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सौभाग्य सुहाग दशमी पर महिलाओं ने किया पूजन-व्रत

टोंक. शाबाश इंडिया। श्री बड़ा तख्ता जैन मंदिर में शनिवार को सौभाग्य सुहाग दशमी के पावन अवसर पर जैन वूमेन ग्रुप के तत्वावधान में धार्मिक आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने भगवान शांतिनाथ की विधिवत पूजा-अर्चना, शांतिधारा एवं विधान में सम्मिलित होकर धर्मलाभ अर्जित किया। महिलाओं ने अपने पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि एवं परिवार में सुख-शांति की मंगलकामना के साथ श्रद्धापूर्वक उपवास एवं व्रत रखा। प्रातःकाल मंदिर में शांतिधारा एवं पूजा-विधान के दौरान पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। इस अवसर पर शीला, ऊषा, राजुल, ज्योति, संतोष, कृष्णा, वंदना, सुनीता, मोनिका, रचना, मोना, हर्षिता, बीना, रक्षिता, नीलम, बरखा, नेहा, सपना, मीनाक्षी, चीना एवं रानू सहित अनेक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा-विधान में सम्मिलित होकर भगवान शांतिनाथ के समक्ष मंगलकामनाएं कीं। धार्मिक आयोजन के दौरान श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा।

घुटना रोग निवारण शिविर संपन्न

बागीदौरा. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल केंद्र बागीदौरा की ओर से निःशुल्क घुटना रोग निवारण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में अहमदाबाद के ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. प्रतीक शाह ने 165 घुटना रोग से पीड़ित मरीजों की जांच की। शिविर में मरीजों के निःशुल्क एक्स-रे किए गए तथा घुटनों के दर्द एवं अन्य समस्याओं से राहत के लिए आवश्यक चिकित्सकीय मार्गदर्शन दिया गया। मरीजों को आवश्यक दवाइयां भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। शिविर के उद्घाटन अवसर पर जोन सचिव विनोद दोसी, अध्यक्ष दिलीप दोसी, सचिव बसंत शर्मा एवं नगमा शाखा अध्यक्ष सुरेश गांधी ने चिकित्सक का दुपट्टा ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। जैन विद्यालय में आयोजित इस शिविर में राजेंद्र प्रसाद दोसी, लक्ष्मीलाल मेहता, केसरीमाल मेहता एवं संस्था प्रधान संजय दोसी का विशेष सहयोग रहा।

एक समय आहार, कठिन दिनचर्या से आत्मसंयम की साधना

अंबाह में संगम मति माताजी के चातुर्मास से धर्ममय वातावरण, रविवार के प्रवचन में कहा- इच्छाओं पर नियंत्रण ही सच्चा संयम, धर्म को सुनने के साथ आचरण में उतारने का दिया संदेश

अंबाह. शाबाश इंडिया। अंबाह में चातुर्मास के लिए विराजमान आर्यिका 105 संगम मति माताजी का साधनामय जीवन श्रद्धालुओं के लिए त्याग, तप और संयम की प्रेरणा बना हुआ है। माताजी की दिनचर्या में सुविधाओं की अपेक्षा आत्मसाधना को महत्व दिया जाता है। एक समय आहार, सीमित आवश्यकताएं, स्वाध्याय, ध्यान और धार्मिक गतिविधियों के माध्यम से वे निरंतर आत्मकल्याण की साधना कर रही हैं। रविवार को जैन बगीची में आयोजित प्रवचन में उन्होंने श्रद्धालुओं को जीवन में संयम अपनाने, विषय-वासनाओं से दूर रहने और धर्म को केवल सुनने के बजाय आचरण में उतारने का संदेश दिया। माताजी ने कहा कि मनुष्य का जीवन केवल सांसारिक सुख-सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए नहीं है। शरीर को जितनी आवश्यकता है, उतना ही ग्रहण करना और शेष इच्छाओं पर नियंत्रण रखना संयम की दिशा में पहला कदम है। इच्छाएं जितनी बढ़ती जाती हैं, मन उतना ही अशांत होता जाता है। इसके विपरीत आवश्यकताओं को सीमित करने वाला व्यक्ति भीतर से अधिक शांत और संतुष्ट रह सकता है।

एक समय आहार साधना का महत्वपूर्ण हिस्सा

जैन साध्वी के जीवन में आहार भी साधना का एक अंग माना जाता है। संगम मति माताजी एक समय आहार की साधना का पालन कर रही हैं। निर्धारित समय पर ही आहार ग्रहण करना और उसके बाद भोजन की इच्छा से स्वयं को दूर रखना सामान्य गृहस्थ के लिए कठिन दिखाई दे सकता है, लेकिन साधु-साध्वियों के जीवन में यही आत्मसंयम की साधना है। माताजी की दिनचर्या में भोजन स्वाद की पूर्ति के लिए नहीं, बल्कि शरीर को साधना के योग्य बनाए रखने का माध्यम है। सीमित आहार के साथ स्वाध्याय, ध्यान और धार्मिक गतिविधियों में समय देना उनके संयमित जीवन की विशेषता है। उनके जीवन को करीब से देखने वाले श्रद्धालुओं को भी त्याग और आत्मनियंत्रण का महत्व समझ में आता है।

जैन सोशल ग्रुप प्लैटिनम का सेवा सप्ताह अंतर्गत सेवा कार्य संपन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप प्लैटिनम द्वारा आयोजित सेवा सप्ताह के अंतर्गत महाकाल मंदिर प्रांगण स्थित गौशाला में सेवा कार्य किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने गौशाला की गायों को गुड़ एवं चारा खिलाकर जीवदया एवं सेवा का पुण्यार्जन किया। ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष जितेंद्र हरकावत ने बताया कि महाकाल मंदिर प्रांगण स्थित गौशाला में सभी गायों को गुड़ एवं चारा खिलाकर सेवा कार्य किया गया। ग्रुप के अध्यक्ष पंकज जैन ने बताया कि करीब 60 सदस्यों ने सर्वप्रथम महाकाल मंदिर में भगवान शिव की आरती की। इसके पश्चात गौशाला में गायों को चारा एवं गुड़ खिलाकर सेवा कार्य किया गया। ग्रुप के सचिव लोकेश जैन ने बताया कि सेवा कार्य के पश्चात सभी सदस्यों ने चौगान मंदिर में सामूहिक रूप से नाश्ता किया। कार्यक्रम में ग्रुप के अध्यक्ष पंकज जैन, पूर्व अध्यक्ष विपिन जैन, इलेक्ट प्रेसिडेंट तनुंजय जैन, सहसचिव राहुल जैन, कोषाध्यक्ष हेमेंद्र जैन, पीआरओ एडमिन गीतेश जैन, पीआरओ ग्रीटिंग पंकज सुराणा, कार्यकारिणी सदस्य सुनील जैन, कपिल जैन, आशीष मेहता, किरण जैन, खुशबू सुराणा, ज्योति टीमरवा सहित करीब 60 ग्रुप सदस्यों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में ग्रुप सचिव लोकेश जैन ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। जैन सोशल ग्रुप प्लैटिनम द्वारा सेवा सप्ताह के माध्यम से जीवदया, सेवा एवं सामाजिक एकता का संदेश दिया गया।

कोटा के तनिष्क एकेडमी में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

कोटा. शाबाश इंडिया। आकाशवाणी क्षेत्र स्थित तनिष्क एकेडमी में शनिवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वीरेंद्र सिंह राठौर रहे, जिन्हें भौतिक विज्ञान के जादूगर के नाम से जाना जाता है। प्रदर्शनी में सभी कक्षाओं के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न वैज्ञानिक मॉडल एवं उपकरण प्रस्तुत किए और उनकी कार्यप्रणाली की विस्तार से व्याख्या की। विद्यार्थियों ने मेहनत और लगन के साथ विज्ञान के विभिन्न विषयों से संबंधित नए-नए प्रोजेक्ट एवं उपकरण तैयार किए। प्रदर्शनी में जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान एवं रसायन विज्ञान से संबंधित अनेक मॉडल प्रस्तुत किए गए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और पर्यावरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक सोच एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। प्रदर्शनी देखने के लिए बड़ी संख्या में अभिभावक एवं अन्य लोग पहुंचे और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि वीरेंद्र सिंह राठौर ने विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जिज्ञासा का विकास होता है। किताबों से प्राप्त ज्ञान को प्रायोगिक एवं रचनात्मक रूप देने का अवसर मिलता है। उन्होंने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें निरंतर नई चीजें सीखने और प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। एकेडमी की डायरेक्टर सोनिया सिंह राठौर ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसी के साथ विज्ञान प्रदर्शनी का समापन हुआ।

जीवदया सेवार्थ संकल्प पथ पावन हुआ, जैन सोशल ग्रुप मेट्रो ने की गौसेवा

हर माह जीवदया के अंतर्गत गौसेवा करने का लिया संकल्प

जयपुर. शाबाश इंडिया। बंधुत्व से प्रेम और बंधुत्व के साथ सेवा के उद्देश्य से मानव एवं समाज सेवा के लिए समर्पित जैन सोशल ग्रुप मेट्रो की ओर से जीवदया सेवार्थ कार्यक्रम पिंजरा पोल गौशाला में आयोजित किया गया। कार्यक्रम संस्थापक अध्यक्ष विनोद-दीपिका जैन कोटखावदा एवं अध्यक्ष सुशील-शालू बाकलीवाल माधोराजपुरा वाले के नेतृत्व में आयोजित हुआ। इस अवसर पर गायों को हरा चारा, तरबूज, रोटियां एवं लड्डू खिलाकर गौसेवा की गई। साथ ही पक्षियों के लिए चुग्गे-दाने की भी व्यवस्था की गई। अध्यक्ष सुशील बाकलीवाल ने बताया कि जेएसजीआईएफ नॉर्दर्न रीजन के तत्वावधान में आयोजित सेवा सप्ताह के समापन अवसर पर जैन सोशल ग्रुप मेट्रो जयपुर की ओर से यह सेवा कार्य किया गया। इसमें संस्थापक अध्यक्ष विनोद-दीपिका जैन कोटखावदा, अध्यक्ष सुशील-शालू बाकलीवाल माधोराजपुरा वाले, सचिव सुशील-कविता जैन टोडारायसिंह वाले, संयुक्त सचिव सुनील-रमा पाटनी सहित कई दंपती सदस्यों ने भाग लिया और अपने हाथों से गायों की सेवा कर पुण्यार्जन किया। कार्यक्रम के दौरान सभी दंपती सदस्यों ने हर माह जीवदया के अंतर्गत गौसेवा करने का संकल्प लिया। अंत में सुशील जैन ने जीवदया कार्यक्रम में उपस्थित सभी दंपती सदस्यों का हृदय से नमन-वंदन करते हुए आभार व्यक्त किया।

'समझदारों' ने परिवार और समाज तोड़े, 'पागलों' ने परमात्मा को पाया: आचार्य रामदयालजी महाराज

एक हाथ में शस्त्र और एक हाथ में शास्त्र, यही हमारी संस्कृति, माणिक्यनगर रामद्वारा धाम में दैनिक चातुर्मासिक सत्संग

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। दुनिया कंचन-कामिनी के लिए पागल है, लेकिन जो भक्त होता है, वह परमात्मा के लिए पागल होता है। देशभक्त राष्ट्र के लिए दीवाने होते हैं। ऐसे पागल समझदारों से ज्यादा अच्छे होते हैं। समझदारों ने तो परिवार और समाज तोड़े, जबकि पागलों ने परमात्मा को पाया है। ध्रुव, प्रह्लाद और मीरा दुनिया की नजरों में पागल बने हुए थे। ऐसा पागलपन किसी एक संकल्प से नहीं, बल्कि कई जन्मों के पुण्यों से सौभाग्यशाली व्यक्ति को प्राप्त होता है। अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरी तरह समर्पित हो जाना ही पागलपन है। ये विचार अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय शाहपुरा के पीठाधीश्वर जगद्गुरु आचार्य स्वामी श्री रामदयालजी महाराज ने रविवार को ''विश्व शांति कल्याण'' चातुर्मास के तहत आयोजित दैनिक सत्संग में प्रेम-भक्ति के स्वरूप की व्याख्या करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भक्ति की मस्ती जिसके जीवन में आ जाती है, उसे कोई ठुकरा नहीं सकता। सारा संसार ऐसे भक्तों को नमन करता है। भक्ति की ऐसी मस्ती लोकलाज की परवाह नहीं करती। भक्ति हृदय को छू लेने वाली होती है। एक हाथ में शस्त्र और एक हाथ में शास्त्र, यही हमारी संस्कृति है। आचार्यश्री ने कहा कि भक्त के बुलाने पर भगवान आते हैं, यही प्रेम है। कितना भी कष्ट हो, जहां सामने प्रेम होता है, वहां जाने का मन करता है। वहीं, कहीं कंचन की बारिश हो रही हो, लेकिन प्रेम और सम्मान न हो तो वहां जाने का मन नहीं करेगा। एक बार प्रेम से पुकारो, परमात्मा दौड़े चले आएंगे। उन्होंने कहा कि प्रेम-भक्ति अलौकिक एवं विलक्षण होती है। शबरी के प्रेम के कारण ही भगवान राम ने उसके झूठे बेर खाए। जीवन समाप्त हो सकता है, लेकिन प्रेम-भक्ति समाप्त नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि संसार में कई लोग अपने दुःख से नहीं, बल्कि दूसरों के सुख से दुःखी रहते हैं।

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ ने सेवा सप्ताह के दौरान बांटे जयपुर फुट और दिव्यांग साइकिल

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के अंतर्गत जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ की ओर से आयोजित सेवा सप्ताह के सातवें दिन समाजसेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रुप की ओर से 11 जरूरतमंद दिव्यांगों को जयपुर फुट प्रदान किए गए, जिससे उनके जीवन में आत्मनिर्भरता की नई उम्मीद जगी। इसके साथ ही अशोक सविता के सौजन्य से एक जरूरतमंद दिव्यांग को साइकिल भी भेंट की गई। ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष मनीष झांझरी ने बताया कि पूरे सेवा सप्ताह के दौरान सदस्यों में गजब का उत्साह देखने को मिला। सभी सदस्यों ने समाजसेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर सहयोग किया और सेवा कार्यों को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में अध्यक्ष सुनील सोगानी, संस्थापक अध्यक्ष मनीष झांझरी, पूर्व अध्यक्ष अभय गंगवाल, सचिव अजय जैन, उपाध्यक्ष सुकेश काला, मुख्य संयोजक पदम सोगानी, संयोजक सुनील बड़जात्या, अजय गंगवाल, मुनिया जी, किरण जी, बबिता जी, स्नेहलता जी सहित ग्रुप के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी मानवसेवा एवं सामाजिक कल्याण के ऐसे आयोजन निरंतर किए जाते रहेंगे।

मोबाइल संचार का साधन है उसका अनियंत्रित उपयोग बच्चों के मन, वचन और काया को दूषित कर देता है: मुनि विलोक सागर

मुनि विलोक सागर महाराज ने दिलाया बच्चों को मोबाइल का दुरूपयोग छोड़ने का संकल्प, 200 से अधिक बच्चों ने लिया संकल्प

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसरोवर के मीरामार्ग स्थित श्री श्री आदिनाथ दिगम्बर मंदिर में चातुर्मासरत मुनि विलोक सागर महाराज एवं मुनि विबोध सागर महाराज के सानिध्य में रविवार को श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन युवा मण्डल द्वारा आदिनाथ भवन में बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में बच्चों ने सहभागिता निभाई। जैन युवा मंडल के अध्यक्ष पंकज काला, मंत्री अपूर्व पतंगिया ने बताया कि मुनि विलोक सागर महाराज एवं मुनि विबोध सागर महाराज के सानिध्य में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में 200 से अधिक बच्चों ने मोबाइल के दुरुपयोग को छोड़ने का संकल्प लिया। सांस्कृतिक मंत्री खुशबू जैन ने बताया कि इस आयोजन में मीरा मार्ग, थड़ी मार्केट, मुल्तान जैन मंदिर सहित कई दिगम्बर जैन मंदिरों से आए बच्चों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम में नित्य दर्शन का नियम लेने वाले बच्चों को मुनि श्री के पाद प्रक्षालन का दुर्लभ अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले बच्चों ने मुनि द्वय को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य भी प्राप्त किया।

इस मौके पर आयोजित धर्म सभा में

मुनि विलोक सागर महाराज ने बच्चों को सरल और प्रभावशाली उदाहरणों के माध्यम से मोबाइल के दुरुपयोग से बचने के मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि मोबाइल संचार का साधन है, लेकिन उसका अनियंत्रित उपयोग बच्चों के मन, वचन और काया को दूषित कर देता है। महाराज श्री ने टेक क्षेत्र के महान व्यक्तियों के उदाहरण देते हुए बताया कि जिन्होंने स्वयं तकनीक बनाई, उन्होंने भी अपने बच्चों के लिए सख्त सीमाएँ रखी थीं। बच्चों से आग्रह किया गया कि वे मोबाइल को अपना स्वामी न बनने दें, बल्कि संयमित उपयोग करें और मंदिर, परिवार, किताबों तथा खेल की ओर बढ़ें। कार्यक्रम के अंत में बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए धार्मिक हाउजी का भी आयोजन किया गया। सभी बच्चों को उपहार वितरित किये गए जिससे बच्चों का मोबाइल का दुरूपयोग छोड़ने एवं नित्य मंदिर दर्शन के नियम के प्रति उत्साह बना रहे। इस कार्यक्रम में श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति, मीरा मार्ग एवं आदिनाथ महिला जाग्रति समिति मीरा मार्ग का भी सहयोग रहा।

सीबीआरओए राजस्थान की चतुर्थ त्रि-वार्षिक साधारण सभा जयपुर में संपन्न

एन. के. पारीक पुन: निर्विरोध 2026-28 के लिए महासचिव निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया

सेंट्रल बैंक रिटायर्ड ऑफिसर्स एसोसिएशन (सीबीआरओए), राजस्थान की चतुर्थ त्रि-वार्षिक साधारण सभा रविवार, 23 अगस्त को जयपुर के इंद्रलोक ऑडिटोरियम में आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ राजवंश पब्लिक स्कूल की बालिकाओं द्वारा मंगलाचरण एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। सभा में सेंट्रल बैंक के डिप्टी जोनल हेड विभूति भूषण, एआईबीपीएआरसी के उपाध्यक्ष जे. डी. शर्मा, एआईसीबीआरओएफ के डी. एस. भदौरिया, डी. एस. लहाने, ए. के. नागर, अनिल ठाकुर, एआईसीबीओएफ के मनोज वाडनेरकर, अरविंद मीणा, सीबीओए राजस्थान के लोकेश फिरोदा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में सेवानिवृत्त बैंक अधिकारियों की समस्याओं, संगठन की एकजुटता तथा भविष्य की कार्ययोजना पर विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर एन. के. पारीक के एआईबीपीएआरसी के वर्किंग प्रेसिडेंट निर्वाचित होने पर सीबीआरओए राजस्थान की ओर से उनका अभिनंदन एवं स्वागत किया गया। वक्ताओं ने उनके संगठनात्मक अनुभव, सक्रिय नेतृत्व एवं बैंक कर्मचारियों तथा सेवानिवृत्त अधिकारियों के हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। द्वितीय सत्र में 75 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके उपस्थित 45 सदस्यों को अतिथियों द्वारा शॉल एवं माला पहनाकर सम्मानित किया गया। साधारण सभा में महासचिव एन. के. पारीक ने संगठन की गतिविधियों एवं उपलब्धियों से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा आय-व्यय का लेखा-जोखा सदन के समक्ष रखा। उपस्थित सदस्यों ने रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए संगठन के कार्यों की सराहना की। सभा में आगामी तीन वर्षों के लिए नई कार्यकारिणी के चुनाव भी संपन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया के दौरान एन. के. पारीक को सर्वसम्मति से निर्विरोध महासचिव निर्वाचित घोषित किया गया। चेयरमैन आर. के. बख्शी, अध्यक्ष महेंद्र सिंह मीणा, डीजीएस मनोज शर्मा एवं बी. एस. राठौड़, कोषाध्यक्ष ललित शर्मा तथा जयपुर क्षेत्रीय सचिव पदम जैन बिलाला सहित अन्य पदाधिकारियों के नाम भी चुनाव अधिकारी द्वारा घोषित किए गए। सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की अपेक्षा व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संगठन की एकता, सक्रियता और सेवानिवृत्त अधिकारियों के हितों के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। अंत में आभार व्यक्त किया गया। नई कार्यकारिणी के गठन एवं एन. के. पारीक के निर्विरोध महासचिव चुने जाने के साथ साधारण सभा उत्साहपूर्ण वातावरण में नवनिर्वाचित अध्यक्ष के धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुई।

पदम जैन बिलाला

रोटरी क्लब काशी और एयरपोर्ट अथॉरिटी ने मिलकर रोपे पौधे

हरियाली एवं स्वच्छ पर्यावरण के लिए दिया संदेश

वाराणसी (संतोष कुमार सिंह)। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर रोटरी क्लब काशी एवं एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एयरपोर्ट निदेशक पुनीत गुप्ता, सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट संजीव सिंह रौतेला, अकासा एयर के राहुल सिंह एवं मुकुल कुमार भारद्वाज रहे। कार्यक्रम में रोटरी क्लब काशी के वरिष्ठ रोटेरियन पीडीजी संजय अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, अध्यक्ष राजन जायसवाल, सचिव सुभाष सिंह, संयोजक माजिद खान सहित रोटेरियन आर. एस. जायसवाल, श्याम जी रस्तोगी, आशुतोष चौबे, अजय खरे, डॉ. राजीव दूबे, दीपक गुप्ता, आर. के. गाबा, सुधीर जरीवाला, सुयश पाठक एवं अन्य रोटेरियंस उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी रोटेरियंस ने अपने-अपने नाम से एक-एक पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण एवं धरती को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का माल्यार्पण कर दुपट्टा एवं शॉल पहनाकर तथा स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा अधिकाधिक वृक्षारोपण के माध्यम से हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण का संदेश देना रहा।

जैन सोशल ग्रुप अरिहंत परिवार ने किया वृक्षारोपण एवं गौसेवा

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दर्न रीजन एवं जैन सोशल ग्रुप अरिहंत परिवार की ओर से आयोजित सेवा सप्ताह के अंतर्गत रविवार, 23 अगस्त 2026 को श्री नंदेश्वर महादेव गौशाला, सिरसी रोड, जयपुर में सेवा कार्य किया गया। इस अवसर पर गौशाला परिसर में वृक्षारोपण किया गया तथा गायों को चारा एवं गुड़ खिलाकर गौसेवा की गई। सेवा कार्य के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं जीवदया का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में अरिहंत परिवार के अध्यक्ष अमरचंद-ऊषा दीवान, पूर्व अध्यक्ष राजकुमार-पायल सोगानी, संयोजक जितेंद्र-कुसुम शाह एवं जितेंद्र-किरण जैन, अशोक-अमन, प्रवीण-पूनम, सौरभ-ऋचा, विक्रम-ऋतु, सुगन-रंजिता, लवलेश-नीलम, राजेश-रीना सहित परिवार के सदस्यों ने सहभागिता की। अरिहंत परिवार की ओर से सेवा कार्य में सहभागी सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया।

जेएलएन अस्पताल की बड़ी उपलब्धि

अजमेर संभाग में पहली बार बिना सिर खोले "ब्रेन एन्यूरिज्म" का सफल उपचार

अजमेर (रोहित जैन)। जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, अजमेर के न्यूरोसर्जरी विभाग ने चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अजमेर संभाग में पहली बार अत्याधुनिक एंडोवास्कुलर कॉइलिंग तकनीक के माध्यम से ब्रेन एन्यूरिज्म का सफल उपचार किया है। यह जटिल प्रक्रिया 39 वर्षीय महिला मरीज में सफलतापूर्वक की गई। मरीज के मस्तिष्क की एक रक्तवाहिका में गंभीर ब्रेन एन्यूरिज्म था, जिसमें अचानक रक्तस्राव होने से जीवन को गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता था।

बिना सिर खोले किया जटिल उपचार

जेएलएन अस्पताल की न्यूरोसर्जरी टीम ने पारंपरिक ओपन ब्रेन सर्जरी के बजाय आधुनिक एंडोवास्कुलर कॉइलिंग तकनीक का उपयोग किया। इस प्रक्रिया में शरीर की एक बड़ी रक्तवाहिका के रास्ते अत्यंत सूक्ष्म कैथेटर को मस्तिष्क की प्रभावित रक्तवाहिका तक पहुंचाया गया। इसके बाद विशेष कॉइल की सहायता से एन्यूरिज्म को सफलतापूर्वक बंद किया गया। इस तकनीक से मरीज को सिर खोलकर की जाने वाली बड़ी सर्जरी से बचाया जा सका। कम चीरे, कम रक्तस्राव और अपेक्षाकृत शीघ्र रिकवरी के कारण यह प्रक्रिया मरीज के लिए कम आक्रामक उपचार विकल्प साबित हुई।

प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया ने कहा- जटिल न्यूरोसर्जिकल उपचार के लिए मरीजों को जयपुर नहीं जाना पड़ेगा

जेएलएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया ने कहा कि यह जेएलएन अस्पताल के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। एंडोवास्कुलर कॉइलिंग जैसी अत्याधुनिक सुविधा का पहली बार जेएलएन अस्पताल में सफलतापूर्वक शुरू होना इस बात का प्रमाण है कि अजमेर में उच्च स्तरीय न्यूरोसर्जिकल सेवाओं को लगातार मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि अजमेर संभाग और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को जटिल से जटिल उपचार की सुविधा उनके अपने शहर में ही उपलब्ध हो। ऐसी सेवाओं के लिए मरीजों को जयपुर या अन्य बड़े शहरों में रेफर करने की आवश्यकता को कम करना जेएलएन अस्पताल की प्राथमिकता है। डॉ. सामरिया ने पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न्यूरोसर्जरी, एनेस्थीसिया, नर्सिंग एवं अन्य सहयोगी सेवाओं के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। आने वाले समय में जेएलएन अस्पताल में ऐसी अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का और विस्तार किया जाएगा।

निजी अस्पतालों में 15 से 20 लाख रुपये तक का खर्च

इस प्रकार की अत्याधुनिक प्रक्रिया के लिए जयपुर, दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों के निजी अस्पतालों में करीब 15 से 20 लाख रुपये तक का खर्च आ सकता है। जेएलएन अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों एवं विशेषज्ञ चिकित्सकीय टीम के समन्वित प्रयास से यह जटिल उपचार सफलतापूर्वक किया गया। यह उपलब्धि न केवल जेएलएन अस्पताल की चिकित्सा क्षमताओं को दर्शाती है, बल्कि अजमेर एवं आसपास के मरीजों के लिए अत्याधुनिक न्यूरोसर्जिकल उपचार स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

कुशल नेतृत्व एवं समर्पित चिकित्सकीय टीम

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में जेएलएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया एवं मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. अरविंद खरे के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में न्यूरोसर्जरी एवं एनेस्थीसिया विभाग की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. अरविंद खरे ने बताया कि एंडोवास्कुलर कॉइलिंग की यह सुविधा जेएलएन अस्पताल में पहली बार शुरू की गई है। इससे अब ब्रेन एन्यूरिज्म जैसे जटिल मामलों के लिए मरीजों को अनावश्यक रूप से जयपुर रेफर नहीं करना पड़ेगा और उन्हें अत्याधुनिक उपचार की सुविधा अजमेर में ही मिल सकेगी।

श्रमण धारा प्रवचन माला

भारतीय युवा प्रतिभाओं को विदेशों में खरीदा जा रहा है : मुनि श्रमण सागर जी

रक्षाबंधन महामंडल विधान का आयोजन 25 अगस्त से

राघौगढ़. शाबाश इंडिया। बुंदेली महाकवि, प्रखर वक्ता एवं महातपस्वी मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने प्रतिभावान युवा-युवतियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि नौकरी के लिए कंपनी के साक्षात्कार में चयन न होने पर निराश नहीं होना चाहिए। युवाओं को स्वरोजगार अपनाकर स्वावलंबी बनना चाहिए। स्वयं कंपनी स्थापित करें और अन्य प्रतिभावान युवाओं को रोजगार देने का प्रयास करें। महाराजश्री ने कहा कि विदेशी कंपनियां भारतीय प्रतिभावान युवक-युवतियों को उच्च वेतन देकर विदेश ले जा रही हैं। यह स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं होती। भारत में कंपनियों के साक्षात्कार में चयन न होने से कई युवक-युवतियां निराश होकर अवसाद की स्थिति में पहुंच जाते हैं। कई बार स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि वे आत्महत्या तक का कदम उठा लेते हैं। उन्होंने युवाओं से आत्मविश्वास बनाए रखने का आह्वान करते हुए कहा कि निरंतर श्रम करने से बुद्धिहीन व्यक्ति भी बुद्धिमान बन सकता है। भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक एवं जैन समाज राघौगढ़ के मार्गदर्शक मंडल के सदस्य विजय कुमार जैन ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि धर्मनगरी राघौगढ़ में चातुर्मास कर रहे मुनि श्रमण सागर जी एवं मुनि ओंकार सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में 25 से 28 अगस्त तक रक्षाबंधन महामंडल विधान का धार्मिक आयोजन किया जा रहा है। धार्मिक आयोजन की समस्त क्रियाएं बाल ब्रह्मचारी प्रतिष्ठाचार्य तरुण भैया जी, इंदौर के मार्गदर्शन में संपन्न होंगी। उन्होंने बताया कि जैन धर्म में रक्षाबंधन पर्व का विशेष महत्व है। मान्यता के अनुसार श्री अकंपनाचार्य आदि 700 जैन मुनिराजों पर आए उपसर्ग को मुनि विष्णुकुमार ने अपनी विक्रिया ऋद्धि के माध्यम से दूर किया था। उन 700 मुनिराजों का श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए विधान के माध्यम से अर्घ्य अर्पित किए जाते हैं। विधान के पुण्यार्जक राजेंद्र कुमार, सिद्धार्थ कुमार एवं श्रेयांश कुमार जैन मेडिकल परिवार, राघौगढ़ हैं। विधान का आयोजन प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से होगा। प्रातः 8:30 बजे से ''श्रमण धारा प्रवचन माला'' के अंतर्गत मुनि श्रमण सागर जी महाराज के मंगल प्रवचन होंगे। शाम को आरती एवं भक्ति के साथ प्रतिष्ठाचार्य तरुण भैया जी के मंगल प्रवचन होंगे।

इसका मतलब बाबू कुछ भी हो सकता है : अंतर्मना प्रसन्न सागर जी

धर्मचक्र व्रत का संकल्प, 22 दिनों में 16 निर्जल उपवास

सोनकच्छ. शाबाश इंडिया। एक छिपकली छत के निचले हिस्से में चिपककर बैठी थी। उसे भ्रम था कि छत का भार वही संभाल रही है। उसे लगता था कि यदि वह हट गई तो पूरी छत नीचे गिर जाएगी। उस छिपकली और आज के मानव में बस यही भ्रम है कि जो कुछ हो रहा है, वह मैं कर रहा हूं। यदि मैं नहीं करूंगा तो कुछ नहीं होगा। व्यक्ति यह भूल गया है कि इस संसार में श्रीकृष्ण, भगवान महावीर, भगवान राम और भगवान बुद्ध जैसे महापुरुष संसार के मर्म को समझकर सब कुछ छोड़कर चले गए। लेकिन मनुष्य आज भी अहंकार में जी रहा है। जीवन में कब उतार-चढ़ाव आ जाएं, कहा नहीं जा सकता। यह बात चातुर्मास प्रवास के दौरान व्रतचक्रवर्ती पट्ट विभूषण अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज ने ससंघ सानिध्य में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जब नेल्सन मंडेला 27 वर्ष जेल में रहकर राष्ट्रपति बन सकते हैं, एक लंगोटी पहनने वाले बापू भारत की मुद्रा पर अंकित हो सकते हैं, एक व्यक्ति व्हीलचेयर पर बैठकर ब्रह्मांड के रहस्यों को देख सकता है, गांव में अखबार बेचने वाला छोटा सा लड़का अब्दुल कलाम भारत का राष्ट्रपति बन सकता है, धरती पर रहकर व्यक्ति मंगल ग्रह पर रहने की योजना बना सकता है, एक चाय बेचने वाला प्रधानमंत्री बन सकता है और एक ''पप्पू'' परमपूज्य बनकर पट्टाचार्य बन सकता है, तो इसका मतलब बाबू, कुछ भी हो सकता है। प्रवक्ता रोमिल जैन ने बताया कि गुरुदेव ने हाल ही में ''पंच मेरु व्रत'' के अंतर्गत 168 निर्जल उपवास की घोर तपस्या पूर्ण की। इसका महापारणा 17 अगस्त को पुष्पगिरी तीर्थ में संपन्न हुआ। पंच मेरु व्रत की साधना पूर्ण करने के तत्काल बाद उन्होंने बिना विश्राम किए 'धर्मचक्र व्रत' का संकल्प ग्रहण किया। उन्होंने बताया कि धर्मचक्र व्रत कुल 22 दिनों का होगा, जिसमें 16 निर्जल उपवास और 6 पारणा होंगे। इसकी जानकारी प्रचार-प्रसार संयोजक रोमिल पाटनी, सोनकच्छ, नरेंद्र अजमेरा एवं पीयूष कासलीवाल, औरंगाबाद ने दी।

लायंस क्लब जयपुर मेट्रो का सावन उत्सव हर्षोल्लास से संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब जयपुर मेट्रो की ओर से अध्यक्ष लायन सुरेंद्र कुमार डिग्गीवाल के नेतृत्व में सावन उत्सव का भव्य एवं मनोरंजक आयोजन जयपुर री धाणी में किया गया। कार्यक्रम में क्लब के करीब 94 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरूआत हाई-टी से हुई। इसके बाद सावन की थीम पर सदस्यों ने रंगारंग नृत्य प्रस्तुत कर माहौल को खुशनुमा बना दिया। अनेक सदस्यों ने स्विमिंग का भी आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान द्वितीय जनरल बैठक के साथ जन्मदिन एवं मैरिज एनिवर्सरी वाले सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इसके बाद मनोरंजक हाउजी का आयोजन हुआ, जिसका लायन श्वेता वजतपुरिया एवं लायन मिसेज बंसल ने शानदार संचालन किया। हाउजी आयोजन में लायन अनीला गंगवाल ने विशेष सहयोग प्रदान किया। विजेता सदस्यों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद सभी सदस्यों ने सहभोज का आनंद लिया। जयपुर री धाणी में आयोजित विभिन्न मनोरंजक खेलों में भी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और उत्सव का आनंद उठाया। अध्यक्ष लायन सुरेंद्र कुमार डिग्गीवाल ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सदस्यों का उत्साह, सहयोग और आपसी अपनापन ही क्लब की सबसे बड़ी शक्ति है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सचिव लायन अनिल जैन एवं कोषाध्यक्ष लायन निर्मल कुमार संघी सहित क्लब के सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

काव्य रस में सराबोर हुई राजधानी, साहित्य सृजन संस्थान के स्थापना दिवस पर शीर्ष रचनाकारों का महासंगम

ममता खरे 'मधु' की कृति 'अक्स जिंदगी के' का विमोचन, गरिमामयी समारोह में उमड़े साहित्यानुरागी

रायपुर, छत्तीसगढ़. शाबाश इंडिया

विशेष रिपोर्ट : युगपुरुष कविवर सूर्य
(भारतीय दार्शनिक एवं समीक्षक)

साहित्य सृजन संस्थान, रायपुर ने अपना पंचम स्थापना दिवस शनिवार, 23 अगस्त को स्थानीय वृंदावन हॉल में हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया। पहले सत्र में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक ''ओपन माइक'' का आयोजन हुआ, जिसमें स्थानीय रचनाकारों को अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर मिला। इसके बाद दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का दूसरा सत्र आयोजित किया गया। इस भव्य मंच पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कवि एवं साहित्यकार मौजूद रहे। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में मंचासीन प्रमुख कवियों में दिल्ली की सुप्रसिद्ध कवयित्री, समाजसेविका एवं विश्व रिकॉर्ड होल्डर डॉ. पूनम माटिया, जबलपुर के वसंत कुमार शर्मा, पटना की डॉ. प्रीति सुमन एवं बैतूल के राजकुमार कोरी शामिल रहे। वहीं, रायबरेली से आए डॉ. गोविंद 'गजब' ने आमंत्रित कवि के रूप में काव्य पाठ किया और कार्यक्रम का कुशल संचालन भी किया। इसके अतिरिक्त स्थानीय वरिष्ठ गीतकार राजकुमार धर द्विवेदी, गजलकार सुदेश मेहर एवं ममता खरे 'मधु' ने भी काव्य पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। काव्य पाठ के दौरान श्रोताओं ने रचनाकारों की प्रस्तुतियों का उत्साहपूर्वक आनंद लिया। समारोह में संस्था के प्रति समर्पित पत्रकार लक्ष्मीनारायण लहरे को विशेष सम्मान से अलंकृत किया गया। वहीं, साहित्यकार ममता खरे मधु की पुस्तक अक्स जिंदगी के का अतिथियों के कर-कमलों से विमोचन किया गया। कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक डॉ. संजय अलंग, पूर्व आईएएस, की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीर अजीत कुमार शर्मा ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि आकाशवाणी, रायपुर के वरिष्ठ उद्घोषक प्रकाश उदय रहे। समारोह के समापन पर उपस्थित बुद्धिजीवियों एवं साहित्यानुरागियों ने साहित्य और संस्कृति को समृद्ध करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रकार के भव्य आयोजन निरंतर आयोजित किए जाने की आवश्यकता जताई।

जैन सोशल ग्रुप हेरिटेज सिटी एवं संगिनी हेरिटेज के सेवा सप्ताह का हेल्थ अवेयरनेस चर्चा के साथ समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप नॉर्दर्न रीजन के आह्वान पर जैन सोशल ग्रुप हेरिटेज सिटी एवं इसकी संगिनी शाखा की ओर से 16 से 22 अगस्त तक समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा कार्य किए गए। सेवा सप्ताह के माध्यम से ग्रुप सदस्यों ने समाज के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। इसी क्रम में रविवार को सी. के. बिरला हॉस्पिटल के सहयोग से ''एक स्वस्थ हृदय'' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमोकार महामंत्र के साथ हुआ। इसके बाद बिरला हॉस्पिटल के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा का ग्रुप अध्यक्ष नितिन पाटनी ने माल्यार्पण एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम के संयोजक कमल-संजय लता बज एवं अजय-चित्रा बोहरा ने हॉस्पिटल के मार्केटिंग स्टाफ का भी माल्यार्पण कर स्वागत किया। स्वास्थ्य चर्चा के दौरान डॉ. अश्विनी शर्मा ने हृदयाघात से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों एवं हृदय रोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां विस्तार से साझा कीं। उन्होंने उपस्थित सदस्यों की हृदय रोग से संबंधित शंकाओं एवं सवालों का सहजता से समाधान किया। जानकारीपूर्ण चर्चा के लिए सदस्यों ने डॉ. शर्मा का तालियों के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रुप अध्यक्ष नितिन पाटनी ने सेवा सप्ताह के दौरान ग्रुप सदस्यों के सहयोग से किए गए परमार्थ एवं सामाजिक कार्यों की जानकारी दी। ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष शांति-रेणु काला ने ग्रुप की रजत जयंती पर प्रकाशित स्मारिका की प्रति डॉ. अश्विनी शर्मा को भेंट की तथा ग्रुप की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया। स्वास्थ्य चर्चा में ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष मुकेश काशलिवाल, महावीर सेठी, सचिव अरुण पाटनी, उपाध्यक्ष प्रदीप बज सहित सभी कार्यकारिणी सदस्य सपत्नीक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संगिनी की संस्थापक अध्यक्ष शालिनी, पूर्व अध्यक्ष अल्का बज, अध्यक्ष शशि बज, सचिव दीपाली पाटनी, कोषाध्यक्ष रेणु सहित कई सदस्याएं उपस्थित रहीं। बिरला हॉस्पिटल की ओर से भी ग्रुप के पदाधिकारियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बज ने आगामी 30 अगस्त को 108 मुनि श्री ऊर्जयंत सागर जी के सानिध्य में नॉर्दर्न रीजन के साथ हेरिटेज परिवार द्वारा 48 मंडलों पर आयोजित होने वाले भक्तामर विधान की जानकारी दी तथा पोस्टर का विमोचन कराया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन ग्रुप के सहसचिव एवं संयोजक डॉ. सुदीप जैन ने किया। अंत में ग्रुप सचिव अरुण पाटनी ने डॉ. अश्विनी शर्मा, हॉस्पिटल स्टाफ एवं उपस्थित सभी सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया। इसके बाद सभी को बिरला हॉस्पिटल की ओर से उपलब्ध कराए गए भोजन के लिए आमंत्रित कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

भक्तामर श्लोक 6 की व्याख्या से भावपूर्ण हुई धर्मसभा

किशनगढ़. शाबाश इंडिया

आर.के. कम्युनिटी सेंटर में आचार्य 108 श्री विहर्ष सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में आयोजित धर्मसभा में पूर्वाचार्यों के प्रति श्रद्धा एवं विनय भाव प्रकट किया गया। कार्यक्रम के दौरान आचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज, आचार्य 108 श्री विराग सागर जी महाराज एवं आचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के चित्रों का अनावरण किया गया। चित्रों के अनावरण का सौभाग्य राजेश जैन, जोधपुर, प्रकाशचंद जैन, कोटा एवं गिगराज ठोल्या, लाम्बा वालों को प्राप्त हुआ। पाद प्रक्षालन का सौभाग्य सकल जैन समाज किशनगढ़ के श्रद्धालुओं को तथा शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य सुनील ठोल्या, जयपुर सहित सकल जैन समाज किशनगढ़ की महिलाओं को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर पूर्वाचार्यों के चरणों में अर्घ्य भी समर्पित किए गए। मंच संचालन कमल बैद ने किया। मंगलाचरण आयुषी जैन, ग्वालियर एवं ब्र. राजेश भैया ने किया। आर्यिका विजया श्री माताजी ने भी धर्मसभा को संबोधित करते हुए धर्म एवं साधना के महत्व पर प्रकाश डाला।

प्रयास को सार्थक करना ही मानव जीवन का उद्देश्य

आचार्यश्री ने भक्तामर स्तोत्र के श्लोक 6 की व्याख्या करते हुए कहा कि भक्तामर का काव्य सभी के लिए है, चाहे वह बुजुर्ग हो या बच्चा। मनुष्य को अपने जीवन में किए गए प्रयासों को सार्थक करना चाहिए। जैन कुल और जैन जाति में जन्म मिलना सौभाग्य की बात है, लेकिन इस जन्म को सार्थक करना हमारे पुरुषार्थ पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को जीवन में एक बात विशेष रूप से ध्यान में रखनी चाहिए कि अच्छे संस्कारों के साथ जीवन जिए, गुरु की संगति प्राप्त करे, साधुओं को आहार दान दे और अंत समय में समाधिमरण को प्राप्त करे। जैन साधु की संगति में रहकर यदि जीवन में समाधि भाव उत्पन्न नहीं हुआ तो जैन धर्म में जन्म लेना सार्थक नहीं है। आचार्यश्री ने कहा कि जैन मंदिर और जैन धर्म ही ऐसा मार्ग है, जिसमें स्वयं भगवान बनने की कला सिखाई जाती है। जैन दर्शन में प्रत्येक जीव के भीतर परमात्मा बनने की क्षमता बताई गई है। उन्होंने कहा कि जिनवाणी की शरण में जाना चाहिए। जैन दर्शन के लिए जियो और जैन दर्शन के लिए जीवन को समर्पित करो।

अभिषेक एवं शांतिधारा का सौभाग्य

आर.के. कम्युनिटी सेंटर स्थित अस्थायी चैत्यालय में विराजमान श्री आदिनाथ भगवान, श्री पार्श्वनाथ भगवान एवं श्री महावीर स्वामी भगवान के अभिषेक एवं शांतिधारा का सौभाग्य विकास पाटनी एवं सुशील काला को प्राप्त हुआ।

जेएसजी संगिनी डायमंड द्वारा "रंग तरंग" कार्यक्रम उत्साह और उमंग के साथ संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजी संगिनी डायमंड की ओर से आयोजित भव्य रंग तरंग कार्यक्रम हर्षोल्लास, उमंग एवं मनोरंजन के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सभी संगिनियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। सावन माह में आने वाले विभिन्न त्योहारों को संगिनियों ने अलग-अलग टीमों में विभाजित होकर आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदर्शित किया। प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उत्सवी रंग भर दिया और सभी का मनोरंजन किया। कार्यक्रम में विभिन्न फन गेम्स, ग्रुप गेम्स, तंबोला, मनोरंजक गतिविधियां एवं आकर्षक पुरस्कार मुख्य आकर्षण रहे। रंग-बिरंगे उत्सवी माहौल में सभी संगिनियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष अलका जैन एवं फाउंडर प्रेसिडेंट रितु जैन के मार्गदर्शन, समर्पण एवं अथक प्रयासों का विशेष योगदान रहा। उनके नेतृत्व में सभी संगिनियों ने एकजुट होकर पूरे जोश एवं उत्साह के साथ कार्यक्रम की तैयारियों में सहभागिता की और इसे सफल बनाया। संगिनी डायमंड की सभी सदस्यों की मेहनत, सहयोग एवं टीम भावना ने रंग तरंग को एक शानदार एवं यादगार आयोजन बना दिया।

बनेड़िया में 6 सितंबर को खंडेलवाल सरावगी दंपती संगठन की प्रथम मिलन बैठक

इंदौर. शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय खंडेलवाल (सरावगी) दिगंबर जैन संगठन की ओर से समाज को संगठित करने और परिवारों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने की दिशा में नई पहल की जा रही है। सरावगी खंडेलवाल दिगंबर जैन समाज के स्थापना दिवस 5 सितंबर के शुभ अवसर पर इंदौर दंपती संगठन की प्रथम मिलन बैठक 6 सितंबर, रविवार को अतिशय क्षेत्र बनेड़ियाजी में भगवान अजितनाथ के पावन दरबार में नमन-वंदन के साथ आयोजित की जाएगी। आयोजकों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य समाज के परिवारों को आपस में जोड़ना, युवा दंपतियों की सामाजिक सहभागिता बढ़ाना, पारिवारिक रिश्तों को अधिक जीवंत बनाना तथा आने वाली पीढ़ी को समाज, संस्कार एवं परंपराओं से जोड़ना है। संगठन का मानना है कि परिवारों की एकजुटता ही समाज की मजबूती का आधार है।

प्रथम मिलन बैठक का कार्यक्रम

6 सितंबर, रविवार को प्रातः 7 बजे बस द्वारा प्रस्थान किया जाएगा। बनेड़ियाजी पहुंचने के बाद भगवान श्री 1008 अजितनाथ के दर्शन, अभिषेक एवं पूजन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत होगी। इसके पश्चात स्वल्पाहार एवं भोजन, दंपती संगठन की प्रथम मिलन बैठक तथा क्षेत्र में वृक्षारोपण का कार्यक्रम रखा गया है। आयोजकों ने समाज के दंपतियों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने का आह्वान करते हुए कहा कि यह केवल एक बैठक नहीं, बल्कि समाज को नई दिशा देने की सामूहिक शुरूआत है।

संगठन का संदेश

राष्ट्रीय खंडेलवाल (सरावगी) दिगंबर जैन संगठन ने समाजबंधुओं से आह्वान किया है– ''साथ चलें, साथ जुड़ें, साथ बढ़ें।'' संगठन का उद्देश्य अधिक से अधिक परिवारों और युवा दंपतियों को जोड़कर सामाजिक रिश्तों को मजबूत करना है। आज हम जुड़ेंगे, कल हमारी आने वाली पीढ़ी हमसे जुड़ेगी। हमारा परिवार, हमारा समाज, हमारी जिम्मेदारी।

मार्गदर्शन एवं संरक्षक

परम संरक्षक : आर. के. जैन साहब, रानेका इंडस्ट्रीज
संरक्षक : अमित प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल, मनोज बाकलीवाल, कंचन बाग
मार्गदर्शक : मनोज काला

सदस्यता एवं संपर्क

आयोजकों ने समाज के सभी परिवारों, विशेषकर युवा दंपतियों से अपील की है कि वे इस नई पहल का हिस्सा बनें तथा अपने परिवार एवं परिचित दंपतियों को भी संगठन से जोड़ें। वीर प्रभु के आशीर्वाद के साथ शुरू होने वाली यह पहल समाज में आपसी प्रेम, सहयोग एवं संगठन की भावना को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कुलदेवी परंपरा: परिवार और पीढ़ियों को जोड़ने वाली आस्था

दिगंबर जैन खंडेलवाल सरावगी समाज के सामाजिक एवं धार्मिक जीवन में कुलदेवी की परंपरा का विशेष स्थान रहा है। कुलदेवी को केवल आराधना का केंद्र ही नहीं, बल्कि वंश, परिवार और पीढ़ियों को जोड़ने वाली आस्था, संस्कार एवं परंपरा की प्रतीक शक्ति के रूप में देखा जाता है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही यह परंपरा समाज की सांस्कृतिक पहचान को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

परिवार की आस्था का केंद्र

परंपरागत मान्यताओं के अनुसार, कुलदेवी परिवार की आदि शक्ति एवं संरक्षक देवी मानी जाती हैं। किसी भी परिवार में नए कार्य का शुभारंभ, गृह प्रवेश, विवाह, संतान जन्म अथवा अन्य मांगलिक अवसरों पर कुलदेवी का स्मरण एवं पूजन करने की परंपरा रही है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि कुलदेवी की आराधना से परिवार को आध्यात्मिक संबल, सुख-शांति एवं मंगल की प्राप्ति होती है।

वंश और परिवार की रक्षा की आस्था

कुलदेवी को परिवार के लिए दैवीय संरक्षण का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं में विश्वास रखने वाले परिवार मानते हैं कि कुलदेवी की कृपा से परिवार पर आने वाले संकटों एवं बाधाओं से रक्षा होती है। यही कारण है कि कुलदेवी के प्रति श्रद्धा केवल पूजा तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पारिवारिक जीवन के संस्कारों में भी दिखाई देती है।

कुलदेवी से जुड़ता है परिवार और समाज

कुलदेवी की परंपरा का सामाजिक पक्ष भी महत्वपूर्ण है। अनेक परिवारों की कुलदेवी का मंदिर उनके मूल निवास, पैतृक स्थान अथवा वंश की ऐतिहासिक भूमि से जुड़ा हुआ है। समय के साथ परिवार देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों में बस गए, लेकिन कुलदेवी की आस्था ने उन्हें उनकी जड़ों से जोड़े रखा। कुलदेवी के वार्षिक पूजन, धार्मिक आयोजन अथवा पारिवारिक उत्सव के अवसर पर दूर-दूर रहने वाले परिजन एक स्थान पर एकत्रित होते हैं। इससे पारिवारिक संबंधों में आत्मीयता बढ़ती है और नई पीढ़ी को अपने परिवार की परंपराओं एवं इतिहास से परिचित होने का अवसर मिलता है।

गोत्र, वंश और पहचान से जुड़ी परंपरा

खंडेलवाल सरावगी समाज में गोत्र एवं कुल परंपरा का अपना विशिष्ट महत्व है। कुलदेवी की परंपरा व्यक्ति को उसके वंश एवं पारिवारिक मूल से जोड़ने का माध्यम बनती है। यह केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चले आ रहे संस्कारों, पारिवारिक स्मृतियों एवं सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने का माध्यम भी है। आज जब नई पीढ़ी आधुनिक जीवनशैली और बदलते सामाजिक परिवेश के बीच अपनी जड़ों से दूर होती जा रही है, ऐसे समय में कुलदेवी की परंपरा अपने मूल, वंश, संस्कार एवं पारिवारिक इतिहास से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकती है।

परंपरा का संरक्षण, नई पीढ़ी की जिम्मेदारी

कुलदेवी की आराधना का वास्तविक उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित न रहकर संस्कार, सदाचार, पारिवारिक एकता एवं अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान को आगे बढ़ाना होना चाहिए। आवश्यकता है कि समाज के परिवार अपनी-अपनी कुलदेवी, कुल परंपरा एवं वंश इतिहास की जानकारी संकलित करें तथा नई पीढ़ी को उसके महत्व से परिचित कराएं। कुलदेवी केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि हमारी जड़ों की पहचान हैं। कुलदेवी की परंपरा केवल पूजा नहीं, पीढ़ियों को जोड़ने वाला संस्कार है। अपनी कुल परंपरा का संरक्षण–अपनी सांस्कृतिक पहचान का संरक्षण है।

मुहाना पुलिस एवं जनता के बीच संवाद का पोस्टर विमोचन, थानाधिकारी का स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया। मुहाना मंडी रोड स्थित दादूदयाल नगर में वरिष्ठ नागरिक जितेंद्र तायल, सीएनजी सदस्य विनीत जैन छाबड़ा एवं धीरेन्द्र कुमार शर्मा की पहल पर पुलिस एवं आमजन के बीच सीधे संवाद को लेकर पोस्टर का विमोचन किया गया। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में पुलिस के साथ आमजन का सीधा संपर्क स्थापित कर अपराधों पर अंकुश लगाना और महिला सुरक्षा एवं सम्मान को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर नवनियुक्त थानाधिकारी मुकेश खरड़िया का स्वागत किया गया। पोस्टर विमोचन हेड कांस्टेबल लालूलाल, रामजीलाल, दशरथ एवं बीट अधिकारी रामप्रकाश सांगवा की मौजूदगी में हुआ। थानाधिकारी ने क्षेत्र की सुरक्षा एवं विकास के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

जौहरी बाजार महिला समिति ने किया "मां तुझे प्रणाम" कार्यक्रम का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जौहरी बाजार महिला समिति की ओर से साधारण सभा का आयोजन "मां तुझे प्रणाम" थीम के साथ भव्य रूप में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत 48 दीपकों से भक्तामर पाठ के साथ हुई। इंद्रलोक सभागार में आयोजित कार्यक्रम में समिति की संस्थापक डॉ. शीला जैन, विमला छाबड़ा (मोतीसंस) एवं भंवर देवी बेलेवाला को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके साथ ही लहरिया उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 500 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। हाउजी एवं प्रश्नमंच सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में 100 से अधिक पुरस्कार वितरित किए गए। दीप प्रज्वलन श्रीमती रेणु राणा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती उमा दीवान सहित राजेश्वरी पापड़ीवाल, निशी कासलीवाल, नीरू तोतुका, विमला सोनी, उषा जैन आगरा, आशा काला, जैना गंगवाल, मधु ठोलिया, विजयलक्ष्मी छाबड़ा, कुसुम संघी, सरोज बूचरा एवं लता सोगानी सहित अनेक गणमान्य महिलाएं उपस्थित रहीं। स्वादिष्ट सहभोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जब तक जिंदगी पर पूर्ण विराम नहीं लगे, कभी हार नहीं मानें : आचार्य पुलकसागर

आलस्य के पंख उखाड़ो, मजबूती की चोंच लगाओ, जीवन आनंदमय बन जाएगा, चित्रकूटधाम में ज्ञान गंगा महोत्सव में पुलक वाणी सुनने उमड़े भीलवाड़ावासी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। जब भी ऐसा प्रतीत हो कि मेरे जीवन में बहुत समस्याएं हैं, तो अपने आसपास के लोगों की जिंदगी पर नजर डाल लेना। महसूस होगा कि उनके सामने मेरी समस्याएं तो बहुत छोटी हैं और जो मुझे मिला हुआ है, दुनिया में कई लोग उससे भी वंचित हैं। दुनिया में लोगों का गम देखेंगे तो अपना गम भूल जाएंगे। अपने से कमजोर को देखेंगे तो अपना जीवन बहुत बेहतर लगेगा। ये विचार भीलवाड़ा में पहली बार चातुर्मास कर रहे राष्ट्र संत मनोज्ञाचार्य पुलकसागर महाराज ने श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट, मेन सेक्टर, शास्त्रीनगर के तत्वावधान में सकल दिगंबर जैन समाज की ओर से चित्रकूटधाम में आयोजित ज्ञान गंगा महोत्सव में सोमवार को प्रवचन के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जीवन की समस्याओं से कभी नहीं हारना चाहिए। जब तक जिंदगी पर पूर्ण विराम नहीं लगे, कभी हार नहीं माननी चाहिए। याद रखें, यह जिंदगी दोबारा नहीं मिलने वाली और बुरे दिनों के बाद अच्छे दिन भी आते हैं। जो वृक्ष पतझड़ देख लेता है, उसी के जीवन में सावन आता है। भगवान भी उसी की मदद करते हैं, जो अपनी मदद खुद करना जानते हैं। आलस्य के पंख उखाड़कर मजबूती की चोंच लगाओ, जीवन आनंदमय बन जाएगा। आचार्यश्री ने कहा कि हमारे पास जो नहीं है, उसके लिए हताश होने के बजाय जो है, उसका आनंद उठाना सीखें। दुनिया में कई लोग आपके जैसा जीवन जीने की भी प्रार्थना करते हैं। दुनिया में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है, जिसके जीवन में समस्याएं न हों। किसी अन्य के जैसा बनने का प्रयास मत करो, बल्कि जैसे हो, उसी में मस्त रहने का प्रयास करो। सोच लो कि हमसे अच्छी जिंदगी किसी की नहीं है, तो उसी समय जिंदगी की समस्याओं का समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कभी भी समस्याएं मजबूत नहीं होतीं, हमारे निर्णय उन्हें मजबूत बनाते हैं। जीवन में हर पल समस्याएं बनी रहती हैं। इनमें कुछ समस्याएं अपनी होती हैं, लेकिन अधिकतर समस्याएं दूसरों की होती हैं, जिन्हें हम अपना बना लेते हैं। दूसरों की समस्याओं को अपना बनाना बंद कर दिया तो 80 प्रतिशत समस्याएं समाप्त हो जाएंगी। आचार्य पुलकसागर महाराज ने कहा कि 84 लाख योनियों में भटकने के बाद मानव तन मिला है। इसे दूसरों की समस्याओं में बर्बाद मत करो। हम अपनी समस्याओं का हल निकाल सकते हैं, लेकिन दूसरों की समस्याओं को अपना बना लेंगे तो उनका कोई हल नहीं है। उन्होंने कहा कि हम धन्यवाद और शिकायत लिखना शुरू करें तो शिकायतें दो-चार पंक्तियों में खत्म हो जाएंगी, लेकिन धन्यवाद लिखने के लिए कॉपी कम पड़ जाएगी। जो मिला है, उसे खोने का प्रयास न करें और जो है, उसी में सुखी रहें। जो नहीं है, उसके पीछे पागल मत बनो। जीवन में रोटी, कपड़ा और मकान है तो फिर क्यों परेशान होकर घूमते हैं। हमारी टेंशन की वजह हम नहीं, दूसरे होते हैं। आचार्य पुलकसागर महाराज ने कहा कि जिंदगी कितनी लंबी जीएं, इससे अधिक महत्व इस बात का है कि हम जिंदगी कैसे जीते हैं। महापुरुष हों या साधारण इंसान, समय सभी के पास बराबर होता है। हम समय का उपयोग कैसे करते हैं, यही परिणाम तय करता है। प्रवचन के प्रारंभ में दीप प्रज्वलन, आचार्यश्री के पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट का सौभाग्य अनिलकुमार-मनीष-साहिल अजमेरा परिवार ने प्राप्त किया। सौभाग्यशाली परिवार एवं अतिथियों का स्वागत श्री पुलकसागर चातुर्मास समिति के अध्यक्ष प्रवीण चौधरी, संयोजक मनीष शाह एवं सहसंयोजक लोकेश अजमेरा ने किया। ज्ञानवती महिला मंडल की सदस्यों ने मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। संचालन चातुर्मास समिति के महामंत्री जयकुमार पाटनी ने किया। भीलवाड़ा शहर एवं आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से सर्वसमाज के हजारों लोग ज्ञान की गंगा में डुबकी लगाने के लिए चित्रकूटधाम पहुंचे। ज्ञान गंगा महोत्सव के तहत 30 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 8:30 से 10 बजे तक चित्रकूटधाम में प्रवचन जारी हैं।

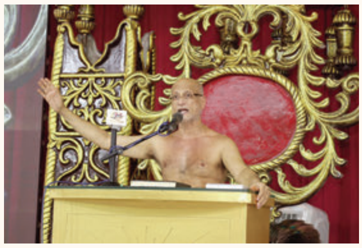

नवकार ग्रुप की एक दिवसीय धार्मिक यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। नवकार ग्रुप के 110 सदस्यों द्वारा 23 अगस्त, रविवार को सीकर एवं रेवासा की एक दिवसीय धार्मिक एवं मनोरंजक यात्रा आनंदपूर्वक संपन्न की गई। ग्रुप के अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल ने बताया कि 23 अगस्त को सुबह 7 बजे दो बसों एवं दो निजी कारों से 110 सदस्य भंडारी हॉस्पिटल के बाहर से सीकर एवं रेवासा के लिए रवाना हुए। सीकर पहुंचकर सभी सदस्यों ने आचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद सुबह के भोजन की व्यवस्था श्री महावीर जी बाकलीवाल ने अपने दामाद डॉ. विनोद कुमार के सहयोग से कराई। दोपहर 2:30 बजे दल रेवासा पहुंचा। वहां चाय-नाश्ते के बाद महिलाओं ने फिल्मी गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया और हाउजी का आयोजन किया गया। रेवासा में नाश्ते एवं दाल-बाटी-चूरमा की व्यवस्था श्री सुरेश जैन, बांदीकुई एवं श्री राजेंद्र कुमार बाकलीवाल ने की। श्री कैलाश सेठी द्वारा सीकर एवं रेवासा में दान-पुण्य, भोजन एवं आहारदान के लिए राशि जमा कराई गई। वापसी के दौरान बस में दिनेश कुमार, एडवोकेट, प्रेमलता सेठी, ममता जैन, अलका जैन, पिंकी जैन सहित अन्य सदस्यों ने नृत्य एवं अंताक्षरी का आनंद लिया। सभी सदस्यों ने यात्रा की सराहना की। अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल एवं सचिव विजय कुमार पांड्या ने सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अजमेर में पहली बार दूरबीन तकनीक से अग्नाशय के इंसुलिनोमा ट्यूमर का सफल ऑपरेशन

अजमेर (रोहित जैन)

जेएलएन मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, अजमेर के सर्जरी विभाग के लैप्रोस्कोपिक एवं रोबोटिक सर्जन डॉ. शिव कुमार बुनकर ने चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अजमेर में पहली बार दूरबीन तकनीक से अग्नाशय के ट्यूमर 'इंसुलिनोमा' का सफल ऑपरेशन किया है। यह जटिल सर्जरी जेएलएन मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, अजमेर में की गई। मरीज ने रामाश्रय प्रभारी डॉ. मयंक श्रीवास्तव से परामर्श लिया था। जांच में मरीज के अग्नाशय के टेल (पूंछ) वाले हिस्से में ट्यूमर पाया गया। मरीज को लो ब्लड शुगर के कारण बार-बार दौरे पड़ने, अचानक पसीना आने जैसे लक्षण हो रहे थे। पेट की जांच एवं सीटी स्कैन के बाद ट्यूमर का पता चला। डॉ. श्याम के मार्गदर्शन में मरीज का दूरबीन तकनीक से ऑपरेशन करने का निर्णय लिया गया। डॉ. शिव कुमार बुनकर ने अत्याधुनिक लैप्रोस्कोपिक तकनीक की सहायता से जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया।

क्या है अग्नाशय का इंसुलिनोमा ट्यूमर

अग्नाशय पाचन तंत्र के पीछे स्थित एक महत्वपूर्ण ग्रंथि है, जो पाचन एंजाइम एवं इंसुलिन का निर्माण करती है। इसमें होने वाला इंसुलिनोमा एक प्रकार का ट्यूमर है, जो शरीर में इंसुलिन का स्तर असामान्य रूप से बढ़ा सकता है और इसके कारण रक्त शर्करा बहुत कम हो सकती है। समय पर पहचान एवं उपचार आवश्यक है। प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया की देखरेख में मरीज की प्री-ऑप एवं पोस्ट-ऑप आईसीयू देखभाल की गई। अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे ने ऑपरेशन के दौरान आवश्यक अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए। इस ऑपरेशन में डॉ. शिव कुमार बुनकर के साथ डॉ. कल्पना अग्रवाल, डॉ. नरेश मीणा, डॉ. सुमित, डॉ. अमन एवं डॉ. लाखन सहित एनेस्थीसिया टीम की डॉ. पूजा माथुर एवं डॉ. प्रदीप तथा नर्सिंग स्टाफ से गीता मोल सिस्टर एवं ममता का विशेष योगदान रहा।

सुबह की सैर में फिटनेस का तड़का

खेलों की मस्ती में झूमे जेएसजी अनंता के 80 सदस्य

उदयपुर. शाबाश इंडिया

रविवार की सुबह दूधतलाई स्थित माणिक्य लाल वर्मा पार्क में सेहत, सौहार्द और मनोरंजन का खूबसूरत संगम देखने को मिला। जैन सोशल ग्रुप अनंता की ओर से हर माह आयोजित होने वाला ''प्रातः कालीन भ्रमण'' इस बार भी उत्साह और उमंग के साथ सम्पन्न हुआ। करीब 40 कपल्स यानी 80 सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लेकर सुबह को यादगार बना दिया। कार्यक्रम की शुरूआत व्यायाम और स्वास्थ्य जागरूकता से हुई। इस दौरान आभा बापना और कल्पना धर्मावत ने सदस्यों को विभिन्न व्यायाम कराए तथा स्वस्थ दिनचर्या से जुड़े उपयोगी टिप्स साझा किए। इसके बाद माहौल ने खेल और मस्ती का रंग ले लिया। यशवंत-आभा बापना की ओर से आयोजित कपल गेम्स में अनिल-मंजू नागोटा ने प्रथम, राजेश-वर्षा बाबेल ने द्वितीय तथा लोकेश-रेणु तलेसरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं भगवती-ज्योति सिंघवी द्वारा आयोजित चम्मच रेस में डॉ. हंस जैन प्रथम, लोकेश तलेसरा द्वितीय और प्रिया कोठारी तृतीय रहीं। सचिव अरुण कटारिया ने बताया कि पूरे आयोजन में सदस्यों का उत्साह देखते ही बनता था। संस्थापक अध्यक्ष मोहन बोहरा, निवर्तमान अध्यक्ष शिल्पा नाहर, अध्यक्ष विनोद चपलोत, उपाध्यक्ष महेश नाहर, विनोद पगारिया, गजेंद्र जोधावत सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर संस्थापक अध्यक्ष मोहन बोहरा ने आगामी गतिविधियों की जानकारी साझा की। हंसी-ठिठोली, खेल, स्वास्थ्य संवाद और स्वादिष्ट अल्पाहार के साथ यह सुबह केवल भ्रमण नहीं, बल्कि आपसी रिश्तों को और मजबूत करने वाला एक आत्मीय मिलन बन गई।

रिपोर्ट फोटो: लोकेश तलेसरा

पीएफसी एजुकेशन के आठवें जन्मदिन पर ओपन माइक में सजी प्रतिभाओं की महफिल

सुर, शब्द और हुनर के संग मनाया आठवां जन्मदिन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

कहीं सुरों की मिठास, कहीं कविता की संवेदना, कहीं नृत्य की लय और कहीं आत्मविश्वास से भरी अभिव्यक्ति–पीएफसी एजुकेशन का आठवां जन्मदिन इस बार केवल वर्षगांठ का आयोजन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की प्रतिभा के उत्सव के रूप में यादगार बन गया। शनिवार को आयोजित ओपन माइक कार्यक्रम ने संस्थान के आठ वर्षों के शैक्षणिक सफर को रचनात्मक रंगों से भर दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मंच को अपनी प्रतिभा की खुली पाठशाला बना दिया। कशक जैन, आर्यन जैन, मयंक भानावत, अवनी शर्मा, हेतल मिरानी, ऐश्वर्या पाटीदार, प्रणिका, निवेद्या, राधिका, तियारा, प्रिशा और कियाना सहित अनेक विद्यार्थियों ने गायन, नृत्य, कविता, संगीत और अन्य रचनात्मक विधाओं में प्रस्तुतियां देकर खूब तालियां बटोरीं। हर प्रस्तुति में विद्यार्थियों का उत्साह और आत्मविश्वास साफ दिखाई दिया। पीएफसी एजुकेशन की निदेशक मीनाक्षी भेरवानी ने कहा कि संस्थान ने आठ वर्षों में शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और रचनात्मक क्षमता को विकसित करने को भी समान महत्व दिया है। उनका मानना है कि कक्षा में मिली सीख तब और सार्थक हो जाती है, जब विद्यार्थी मंच पर स्वयं को निर्भीक होकर अभिव्यक्त करना सीखता है। इसी सोच के तहत ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी छिपी प्रतिभा पहचानने और उसे सामने लाने का अवसर दिया जाता है। समारोह में हिमांशु जैन, गुरलीन अरोड़ा, शीतल गुप्ता, मनाली छूग, दीपमाला मेवाड़ा और उपेश भट्ट विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। शहर के गणमान्य नागरिकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों ने भी प्रस्तुतियों का आनंद लिया तथा प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। जन्मदिन का यह आयोजन पीएफसी एजुकेशन की आठ वर्षों की उपलब्धियों, विद्यार्थियों से बने भावनात्मक जुड़ाव और भविष्य की संभावनाओं का उत्सव बन गया। कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि आने वाले वर्षों में भी विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अपनी प्रतिभा निखारने के ऐसे मंच निरंतर उपलब्ध कराए जाएंगे।

रिपोर्टः फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'

पत्र लेखन संस्कृति और संवेदनाएं बचाने का सशक्त माध्यमः डॉ. नेगी

'अपनों को पाती' अभियान से जुड़ी दो वृहद पुस्तकों पर सार्थक चर्चा

जयपुर. शाबाश इंडिया

स्वयं सिद्धा साहित्यिक संस्थान, जयपुर के तत्वावधान में डॉ. राधाकृष्णन पुस्तकालय, जयपुर में सुप्रसिद्ध लेखिका डॉ. कृष्णा रावत द्वारा संपादित पुस्तकों स्मृति में रचे-बसे अद्भुत पत्र एवं चयनित पत्र पुष्प पर सार्थक परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सूरज सिंह नेगी ने की। मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार टीकम चंद बोहरा अनजाना एवं साहित्यकार फारूक आफरीदी ने पुस्तकों का लोकार्पण किया। मंच संचालन साहित्यकार डॉ. आशा शर्मा ने किया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि टीकम चंद बोहरा अनजाना ने अपने काव्यात्मक उद्बोधन में बदलते समय और रिश्तों में बढ़ती संवेदनहीनता पर चिंता व्यक्त की। अध्यक्ष डॉ. सूरज सिंह नेगी ने कहा कि पत्रों के माध्यम से अतीत की स्मृतियों को पुस्तक रूप में संकलित कर युवा पीढ़ी तक पहुंचाना इस मुहिम का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पत्रों के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं और रिश्तों की ऊष्मा को पुनः जागृत किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि पाती अपनों की मुहिम ने न केवल देश, बल्कि विदेशों में रह रहे प्रवासी भारतीय परिवारों में आत्मीयता, मैत्री, संस्कार और संवेदनाओं को जगाने का काम किया है। यह नन्हा-सा अभियान आज वटवृक्ष का रूप ले चुका है। पत्रों के माध्यम से रिश्तों और संवेदनाओं को सहेजने का यह प्रयास निश्चित रूप से आने वाली पीढ़ियों के लिए मूल्यवान साहित्यिक धरोहर सिद्ध होगा। पुष्पा माथुर एवं सलोनी क्षितिज ने लेखकों का परिचय प्रस्तुत किया। पुस्तक की संपादक डॉ. कृष्णा रावत और साकार श्रीवास्तव ने बताया कि पाती अपनों की मुहिम के अंतर्गत प्रकाशित 11 पुस्तकों में संकलित 1103 पत्रों में से 363 पत्रों का चयन कर इन दोनों पुस्तकों में शामिल किया गया है। लिख दी पाती बाबुल को, स्मृतियों के झरोखे से, पाती डाकिये को, बच्चों के पत्र, पाती शिक्षक को, एक पाती मीत को तथा पत्र पिता के जैसे संग्रहों के माध्यम से परिवार, मित्रता, गुरु-शिष्य संबंध और समाज के विभिन्न भावनात्मक पक्ष सामने आते हैं। परिचर्चा में डॉ. सुषमा शर्मा, कविता मुखर, इंद्र कुमार भंसाली एवं ज्योत्सना सक्सेना ने दोनों पुस्तकों पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि ये पत्र अतीत की स्मृतियों, रिश्तों की आत्मीयता, प्रेम, वात्सल्य, मित्रता, सम्मान और मानवीय संवेदनाओं को जीवंत करते हैं। आज जब पत्रों का स्थान त्वरित संदेशों ने ले लिया है, ऐसे में यह पत्र-साहित्य हमारी भावनात्मक एवं सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। समीक्षकों ने विशेष रूप से एक पाती मीत को के पत्रों में निहित पवित्र मित्रता, आत्मीयता और निःस्वार्थ भावनाओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ये पुस्तकें केवल पत्रों का संकलन नहीं, बल्कि मानवीय रिश्तों और संवेदनाओं का जीवंत दस्तावेज हैं। इस अवसर पर संस्था संरक्षक प्रो. कुसुम शर्मा, संस्थापक अध्यक्ष डॉ. ज्ञानवती सक्सेना, महासचिव डॉ. रेखा गुप्ता, पूजा उपाध्याय, रजनी मिश्रा, मीनू अग्निहोत्री, मंजू कपूर, साधिका साकार, जीनस कंवर, डॉ. मंजुलता भट्ट, सलोनी क्षितिज, ब्रज वल्लभ असरे, एस. के. शर्मा, महावीर सिंह पटवाल, शिशुपाल सिंह रावत, पूरण चंद्र भट्ट, अतिशा माथुर, डॉ. रत्ना शर्मा, डॉ. सुषमा शर्मा, ज्योत्सना सक्सेना, कुमकुम माथुर, आर. सी. माथुर, डॉ. कंचना सक्सेना, अर्चना सिंह, हिमाद्रि समर्थ, नीता टहलयानी, नवल पांडे सहित अनेक साहित्यकार एवं साहित्यानुरागी उपस्थित रहे।

फारूक आफरीदी,
साहित्यकार एवं पत्रकार

श्री अग्रसेन पब्लिक स्कूल में गूंजा सड़क सुरक्षा का संदेश, संकेतों से समझाए ट्रैफिक नियम

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेरी गेट स्थित श्री अग्रसेन पब्लिक स्कूल में राष्ट्र निर्माता सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात पूर्व डॉ. हेमंत कुमार जाखड़ रहे। उनके साथ यातायात निरीक्षक दुर्गा प्रसाद एवं हेड कांस्टेबल प्रेम सिंह भी मौजूद रहे। स्कूल की कक्षा 10 से 12 तक के करीब 300 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। स्कूल सचिव कमल नानूवाला एवं प्राचार्या अभिलाषा शैली ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरूआत हेड कांस्टेबल (यातायात) प्रेम सिंह ने प्रोजेक्टर के माध्यम से विद्यार्थियों को यातायात संकेतों की विस्तृत जानकारी देकर की। उन्होंने यातायात सिग्नल के इशारों का सजीव प्रदर्शन करते हुए विद्यार्थियों को खेल-खेल में सड़क पर सुरक्षित चलने के तरीके समझाए। विद्यार्थियों ने इस प्रस्तुति की सराहना की। मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत कुमार जाखड़ ने विद्यार्थियों एवं स्टाफ को सड़क सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने कहा कि हेलमेट और सीट बेल्ट केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि अमूल्य जीवन की सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने परिवार के सदस्यों को भी यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने विद्यार्थियों की यातायात नियमों से संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। अंत में स्कूल सचिव कमल नानूवाला ने कहा कि अनुशासित यातायात ही सुरक्षित समाज की पहचान है। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि बचपन से ही यातायात नियमों का पालन करने की आदत हमें जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में आगे बढ़ाती है।

इंडोनेशिया में वन्यजीव संरक्षण के लिए वनतारा ने की साझेदारी

10 मोबाइल पशु अस्पताल शुरू होंगे, वे कंबास एलिफेंट हॉस्पिटल का भी होगा विस्तार, हाथियों की देखभाल करने वालों और पशु चिकित्सकों को प्रशिक्षण देगा वनतारा

जकार्ता. शाबाश इंडिया। भारत के वनतारा ने इंडोनेशिया सरकार के साथ वन्यजीव स्वास्थ्य एवं संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण साझेदारी की है। इसके तहत इंडोनेशिया में 10 ''हॉस्पिटल ऑन व्हील्स'' शुरू किए जाएंगे। साथ ही हाथियों की देखभाल करने वालों एवं पशु चिकित्सकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा प्रसिद्ध वे कंबास एलिफेंट हॉस्पिटल को आधुनिक उपकरणों एवं तकनीक से अपग्रेड किया जाएगा। अपग्रेड के बाद वे कंबास अस्पताल को ''एलिफेंट ट्रीटमेंट एंड केयर सेंटर'' के रूप में विकसित किया जाएगा। यह केंद्र मानव देखभाल में रह रहे 62 सुमात्राई हाथियों के साथ आसपास के जंगलों में रहने वाले करीब 100 जंगली सुमात्राई हाथियों के उपचार एवं देखभाल में मदद करेगा। वहीं, 10 मोबाइल अस्पताल जरूरत पड़ने पर वन्यजीवों तक मौके पर ही चिकित्सा सहायता पहुंचाएंगे। वनतारा इस कार्यक्रम के लिए विशेषज्ञ पशु चिकित्सा सेवाएं, तकनीकी सहयोग, बुनियादी ढांचे के विकास में सहायता एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम इंडोनेशिया सरकार और उसकी संबंधित एजेंसियों के नेतृत्व में संचालित होगा। सभी सुविधाओं का स्वामित्व एवं संचालन इंडोनेशिया सरकार के पास रहेगा। इंडोनेशिया के वन मंत्री राजा जूली एंटोनी ने कहा कि इस साझेदारी से देश की वन्यजीव स्वास्थ्य एवं संरक्षण क्षमता मजबूत होगी। वनतारा के सीईओ विवान करानी ने कहा कि वनतारा अपनी पशु चिकित्सा एवं संरक्षण विशेषज्ञता इंडोनेशिया के साथ साझा करेगा और वहां के लंबे संरक्षण अनुभव से सीखने का भी प्रयास करेगा। अनंत अंबानी द्वारा स्थापित वनतारा की यह साझेदारी उसके अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव संरक्षण कार्यक्रमों के विस्तार का हिस्सा है।

रावतसर में विशाल रक्तदान अभियान, 120 यूनिट रक्त संग्रहित

रावतसर (नरेश सिगची)। दादी प्रकाशमणी की 19वीं पुण्यतिथि एवं विश्व बंधुत्व दिवस के उपलक्ष्य में मानव सेवा और सामाजिक सरोकार की भावना को साकार करते हुए रावतसर में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, रावतसर के सहयोग से आयोजित शिविर में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 120 यूनिट रक्तदान किया। शिविर में रक्त संग्रहण का कार्य महात्मा गांधी स्मृति राजकीय चिकित्सालय, हनुमानगढ़ के राजकीय ब्लड सेंटर की चिकित्सा टीम ने किया। आयोजन का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ आमजन में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

अतिथियों ने किया शिविर का शुभारंभ

शिविर का शुभारंभ प्रवीणा मेघवाल, पीसीसी सदस्य, जे. पी. दूधवाल, शिक्षाविद्, डॉ. महेंद्र सांगवान, शिक्षाविद्, डॉ. सुभाष सोनी, सहायक आचार्य, एनएमपीजी कॉलेज, हनुमानगढ़, डॉ. सुभाष भिंडासरा, सीएचसी रावतसर तथा डॉ. विनोद करड़वाल, बीडीएस सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर अतिथियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है। एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने आमजन से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। शिविर के दौरान युवाओं सहित विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रक्तदाताओं में सेवा एवं सहयोग की भावना देखने को मिली। आयोजकों ने कहा कि समाज के लोगों द्वारा जिस उत्साह के साथ रक्तदान किया गया, वह मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का प्रेरणादायी उदाहरण है।

जो मिला उसकी कीमत समझ लो, लोभ अपने आप छोटा पड़ जाएगा : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

इच्छाएं पूरी होने से तृप्ति नहीं मिलती, संतोष आ जाए तो अभाव में भी जीवन आनंदमय हो जाता है

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

हमारे दुःख का बड़ा कारण यह नहीं है कि जीवन में क्या नहीं मिला, बल्कि यह है कि जो मिला, उसकी कीमत हमने समझी ही नहीं। धन, परिवार, संतान, साधन और सुविधाएं मिल जाने के बाद भी मन यदि अगली चाह के पीछे दौड़ता रहे तो तृप्ति कभी नहीं आएगी। लोभ की सबसे बड़ी गरीबी यही है कि वह मनुष्य को अपनी ही समृद्धि का अनुभव नहीं होने देता। जो मिला है, उसकी कद्र करना सीख लो, जीवन में संतोष आ जाएगा और संतोष आ गया तो सुख-शांति के लिए बाहर भटकना नहीं पड़ेगा। ये विचार श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने सोमवार को शांतिभवन में आयोजित विशाल धर्मसभा में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। युवाचार्यश्री ने आगम-वचन 'पहेज्ज लोहम' का विवेचन करते हुए कहा कि इंद्रियों के विषय आकर्षक हैं और अनादिकालीन संस्कारों के कारण मन बार-बार कषायों की ओर खिंचता है। मनुष्य की चाह का स्वभाव ऐसा है कि एक इच्छा पूरी होते ही दूसरी खड़ी हो जाती है। जरूरत की सीमा होती है, लोभ की नहीं। उन्होंने महात्मा के पास पहुंचे चार मित्रों का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि पहले ने धन मांगा, दूसरे ने विवाह, तीसरे ने संतान और चौथे ने केवल संतोष मांगा। एक वर्ष बाद धन पाने वाला स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से घिरा था, विवाह पाने वाला दांपत्य की उलझनों से और संतान पाने वाला बच्चों के व्यवहार से दुखी था, जबकि संतोष मांगने वाला सबसे अधिक प्रसन्न था। युवाचार्यश्री ने कहा कि जो चाहा वह मिल जाए, इससे सुख की गारंटी नहीं है। जो मिला उसमें संतोष आ जाए तो सुख के लिए कुछ और मांगना नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि विवाह का मूल उद्देश्य जीवनसाथी के रूप में सहयोग, समझ और सुख-दुःख में सहभागिता था, लेकिन आज कई स्थानों पर विवाह प्रयोजन से अधिक आयोजन बनता जा रहा है। उत्सव इतना बड़ा हो गया है कि संबंध का उद्देश्य पीछे छूटने लगा है। करोड़ों खर्च कर विवाह हो जाए और कुछ समय बाद दोनों अपने-अपने रास्ते चले जाएं तो भव्य आयोजन का क्या अर्थ रह जाता है। जीवनसाथी वह होता है, जिसके साथ मन का सुख-दुःख बांटा जा सके और जीवन को स्थिरता मिल सके। युवाचार्यश्री ने कहा कि संतान भी परिवार में केवल वंशवृद्धि का माध्यम नहीं, बल्कि कई बार पति-पत्नी के बीच सेतु का कार्य करती है। घर में एक बालक का सहज प्रेम कई तनावों को पिघला देता है। इसलिए परिवार की उपलब्धियों का मूल्य केवल बाहरी दृष्टि से नहीं, बल्कि उनके भीतर के भाव और संबंधों से समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज खाने से लेकर पहनने तक पसंद इतनी बढ़ गई है कि उपलब्ध वस्तु का आनंद लेने की क्षमता घटती जा रही है। पहले बड़े परिवारों में जो बनता था, सभी मिलकर प्रेम से खाते थे। अब मनचाहा स्वाद नहीं मिला तो कुछ ही मिनटों में बाहर से दूसरी वस्तु मंगा ली जाती है। सुविधाएं बढ़ती गईं, लेकिन संतोष उसी अनुपात में नहीं बढ़ा। थाली भरती गई और मन खाली होता गया। युवाचार्यश्री ने कहा कि लोभ की सबसे बड़ी समस्या यही है कि वह मनुष्य को अपने पास की वस्तु की कीमत नहीं करने देता। दूसरे की थाली, दूसरे का घर, दूसरे का पहनावा और दूसरे की जीवनशैली अधिक अच्छी दिखाई देती है। बाहर की चमक देखकर हम अपने जीवन को कमतर समझने लगते हैं, जबकि सामने वाले के भीतर क्या संघर्ष है, यह हमें दिखाई नहीं देता। दूसरे की चमक देखकर अपनी रोशनी को कम मत समझो।

दिगम्बर जैन सोश्यल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर
के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोश्यल ग्रुप जैन भारती के द्वारा
64 रिद्धि सिद्धि मंत्रों से युक्त दीपको द्वारा
श्री वर्धमान स्तोत्र पाठ
आप सादर आमंत्रित हैं।
25 अगस्त 2026
समय - सायं 7.00 बजे से
स्थान :- गायत्री नगर जैन मन्दिर महारानी फार्म, जयपुर
कार्यक्रम ड्रेस कोड : पुरूष वर्ग - सफेद कुर्ता-पाइजामा, महिला - मोठड़ा लहरिया रानी साड़ी
सहयोगी
गायत्री नगर जैन मन्दिर महारानी फार्म, जयपुर
अरूण शाह अध्यक्ष | राजेश बोहरा मंत्री | राकेश छाबड़ा कोषाध्यक्ष
एवं समस्त कार्यकारिणी समिति एवं सकल दिगम्बर जैन समाज
आयोजक
दिगम्बर जैन सोश्यल गुप जैन भारती, जयपुर
अध्यक्ष प्रमिला-आलोक शाह | सचिव अनिला-अशोक गंगवाल | कोषाध्यक्ष ममता-रवि शाह
ग्रुप कार्यक्रम मुख्य संयोजक
अरूण-ज्योति शाह
एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्याऐं
निवेदक
दिगम्बर जैन सोश्यल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर
सुनील-सुमन बज अध्यक्ष | अनिल-शशि जैन (संस्थापक अध्यक्ष) | राजेश-सीमा जैन निवर्तमान अध्यक्ष | प्रमोद-सोनल जैन (कोषाध्यक्ष) | नीरज-रेखा जैन सचिव
एवं समस्त कार्यकारिणी समिति

चम्पापुर दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र में पंच परमेष्ठी विधान का भव्य आयोजन, कोलकाता के जैन परिवार ने लिया धर्मलाभ

भागलपुर/नाथनगर. शाबाश इंडिया

भगवान वासुपूज्य की पावन पंचकल्याणक भूमि श्री चम्पापुर दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र, नाथनगर में श्रावण सुदी एकादशी (रविवार) के शुभ अवसर पर 'पंच परमेष्ठी विधान' का भव्य एवं भक्तिमय आयोजन संपन्न हुआ। धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन कोलकाता के धन कुमार, विजय कुमार, महेंद्र कुमार, शांति-विमल एवं दिलीप पाटनी परिवार द्वारा सामूहिक रूप से कराया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान के नित्य नियम अभिषेक, शांतिधारा एवं विशेष पूजन-विधान के साथ हुई। विश्व शांति, समृद्धि एवं आध्यात्मिक उन्नति की कामना को लेकर सामूहिक महाआरती की गई। भक्ति संध्या एवं विधान के दौरान सुप्रसिद्ध गायक रामकुमार जी के मधुर

भजनों पर श्रद्धालु भक्तिभाव में झूमते नजर आए। श्री बंगाल-बिहार-उड़ीसा तीर्थ क्षेत्र कमेटी, कोलकाता के पदाधिकारियों श्री संजय जी काला (इस्पात), श्री संतोष जी सेठी, श्री पीयूष रारा एवं श्री सत्येंद्र जी गोधा ने कोलकाता से पधारे श्रद्धालुओं का भावभीना स्वागत एवं सम्मान किया। वहीं, श्री दिगंबर जैन समाज, भागलपुर के अध्यक्ष श्री विजय कुमार जैन एवं श्री जय कुमार जैन ने आयोजन में शामिल अतिथियों का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र भेंट कर अभिनंदन किया। आयोजन की जानकारी देते हुए श्री पीयूष रारा एवं श्री सुमित बड़जात्या ने बताया कि पावन विधान में कोलकाता सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित किया। भव्य विधान में धन्य कुमार, सुमित कुमार जैन, कैलाश बड़जात्या, सुरेश सेठी (कानकी), अनिल कुमार, अजीत कुमार, पवन आशिका, पवन मोदी, अशोक केपी, विनोद काला, राजेंद्र गंगवाल, महेंद्र जैन, संदीप गंगवाल एवं कल्याण मित्र मंडल के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

44 दिवसीय पार्श्वनाथ कल्याण स्त्रोत मंदिर विधान के द्वितीय दिवस पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

आगरा. शाबाश इंडिया। श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, कलाकुंज, मारुति स्टेट, शाहगंज में वात्सल्य सेवा समिति, कलाकुंज-अवधपुरी के तत्वावधान में चल रहे 44 दिवसीय श्री पार्श्वनाथ कल्याण स्त्रोत मंदिर विधान के द्वितीय दिवस का आयोजन रविवार को श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। गणधराचार्यश्री कुंथुसागर जी महाराज एवं क्षुल्लिका श्री सुमैत्री माताजी की विशेष अनुकंपा एवं मंगल आशीर्वाद से आयोजित विधान में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर में भगवान पार्श्वनाथ की आराधना, मंत्रोच्चार एवं धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम शुरू हो गया। सौभाग्यशाली परिवारों ने विधान की मांगलिक क्रियाएं विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न कराईं। पंडित सुमेर जैन शास्त्री के निर्देशन में विधान कराया गया। इस दौरान श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए और मंदिर परिसर भगवान पार्श्वनाथ के जयकारों से गूंज उठा। द्वितीय दिवस के विधान के पुण्यार्जक परिवार में योगेश जैन, मीना जैन, सौरभ जैन, दीप्ति जैन, सुरभि जैन, अरहम एवं स्वस्ति जैन, कलाकुंज शामिल रहे। विधान में वात्सल्य सेवा समिति के सदस्यों एवं मंदिर समिति के पदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही। समिति अध्यक्ष रश्मि जैन ने बताया कि 44 दिवसीय विधान के आगामी दिनों में भी विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान एवं मांगलिक कार्यक्रम श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ आयोजित किए जाएंगे।

नचिकेतन मॉडल स्कूल ऐलनाबाद में 'विरसे दे रंग' के साथ हरियाली तीज का भव्य उत्सव

ऐलनाबाद. रमेश भार्गव। नचिकेतन मॉडल स्कूल, ऐलनाबाद में हरियाली तीज के अवसर पर 'विरसे दे रंग' नाम से भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पंजाबी लोक संस्कृति, परंपराओं, गीत-संगीत एवं महिला शक्ति की सुंदर झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में लोक पंचायत सिरसा की मुख्य सदस्य सरदारनी गुरदेव कौर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवनशैली के साथ अपनी लोक संस्कृति, परंपराओं एवं विरासत को भी संजोकर रखना जरूरी है। 'विरसे दे रंग' ने सभी को अपनी जड़ों एवं पंजाबी संस्कृति से जुड़ने का सुंदर अवसर प्रदान किया। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए नचिकेतन मॉडल स्कूल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में तीज के पारंपरिक लोकगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, पारंपरिक वेशभूषा एवं महिला सहभागिता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। पूरे आयोजन में पंजाबी विरासत की रंगत और उत्साह देखने को मिला। अतिथियों एवं दर्शकों ने प्रस्तुतियों की खूब सराहना की। आयोजन टीम में रजनी कौर, रवनीत कौर, अवनीत कौर, वंचित कौर, बलवीर कौर एवं जसवीर कौर ने सक्रिय भूमिका निभाई। निर्णायक मंडल में सेवानिवृत्त पंजाबी व्याख्याता जसवीर कौर रंधावा, जसवीर कौर विर्क एवं रवनीत कौर मान शामिल रहीं। उन्होंने प्रतिभागियों की कला, प्रस्तुति, पारंपरिकता एवं रचनात्मकता का मूल्यांकन कर सराहना की। कार्यक्रम सांस्कृतिक एकता, महिला सहभागिता एवं पंजाबी विरासत के संरक्षण का सुंदर उदाहरण बना। उत्साह एवं उल्लास के बीच कार्यक्रम का समापन सुखद स्मृतियों के साथ हुआ।

अस्तित्व सुरक्षित रखना है तो जनगणना में जागरूक रहें:आचार्य विमर्शसागर जी

देहरा-तिजारा. शाबाश इंडिया। चातुर्मास के अंतर्गत श्री चन्द्रतीर्थ मंडपम्में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए भावालिंगी संत दिगम्बराचार्य श्री 108 विमर्शसागर जी महामुनिराज ने जैन समाज की एकता, अस्तित्व एवं जागरूकता पर जोर दिया। मंदिर अध्यक्ष मुकेश जैन एवं प्रचार मंत्री उमंग जैन ने बताया कि आचार्यश्री ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने अस्तित्व की सुरक्षा एवं स्थायित्व के विषय में चिंतन करते रहना चाहिए। पारमार्थिक मार्ग में सम्यग्दर्शन, ज्ञान एवं चारित्र की एकता धर्म का आधार है। इसी प्रकार समाज की मजबूती के लिए जागरूकता, संगठन एवं एकता आवश्यक है। आचार्यश्री ने जनगणना के समय जैन समाज को जागरूक रहने का संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति धर्म के कॉलम में ''जैन'' तथा अपनी पहचान से संबंधित विवरण सही रूप से दर्ज करवाए। उन्होंने कहा कि सरकारी आंकड़ों में जैन समाज की संख्या वास्तविकता से कम दिखाई देती है, इसलिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि परिवारों की मान्यताएं अलग हो सकती हैं, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर सभी एकजुट होकर अपनी सामूहिक पहचान और संगठन शक्ति का परिचय देते हैं। धर्मसभा में बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

श्रावण मास के अंतिम सोमवार को 25 विद्यार्थियों को शैक्षणिक सहायता

'मिशन मुस्कान' के तहत आदिवासी बाहुल्य गांव कमली में बच्चों एवं जरूरतमंद परिवारों की सेवा

अजमेर. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब अजमेर आस्था की ओर से प्रांतीय स्लोगन ''फ्लाइट ऑफ ड्रीम'' के अंतर्गत संचालित प्रमुख सेवा कार्यक्रम 'मिशन मुस्कान' के तहत श्रावण मास के अंतिम सोमवार को उदयपुर जिले के ग्रामीण एवं आदिवासी बाहुल्य गांव कमली में सेवा कार्य किया गया। कार्यक्रम के दौरान 25 जरूरतमंद बालक-बालिकाओं को शैक्षणिक सामग्री के रूप में ज्योमेट्री बॉक्स एवं उत्तर पुस्तिकाएं प्रदान की गईं। इसके साथ ही बच्चों को पैंट-शर्ट, सलवार-सूट एवं टी-शर्ट तथा जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री वितरित की गई। बच्चों के परिजनों को लुगड़ा एवं धोती भी प्रदान की गई। क्लब सचिव लायन अनिल चोरड़िया ने बताया कि समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी एवं अन्य भामाशाहों के सहयोग से प्राप्त सेवा सामग्री को कार्यक्रम संयोजक एवं प्रांतीय सभापति 'मिशन मुस्कान' लायन अतुल पाटनी के संयोजन में अजमेर से उदयपुर क्लब के पूर्व सदस्य घनश्याम सोनी के पास भेजा गया। वहां से सामाजिक कार्यकर्ता जसोदा देवी के मुख्य आतिथ्य में जरूरतमंद बच्चों एवं उनके परिजनों को सामग्री वितरित की गई। सामाजिक कार्यकर्ता जसोदा देवी ने कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर जरूरतमंद परिवारों के बीच क्लब द्वारा की गई सेवा खुशी का कारण बनी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल ग्रामीण एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ाने के साथ समाज में अपनत्व की भावना को भी मजबूत करती है। क्लब अध्यक्ष लायन कमल बाफना ने बताया कि लायंस क्लब अजमेर आस्था का यह प्रयास शिक्षा, सेवा एवं सहयोग के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में निरंतर जारी रहेगा।

जीतो यूथ आगरा की बॉलिंग बैटल में दिखा युवाओं का जोश, खेल के साथ मजबूत हुए सामाजिक रिश्ते

आगरा. शाबाश इंडिया। जीतो यूथ आगरा की ओर से पीएनसी इन्फ्राटेक लिमिटेड के सहयोग से फतेहाबाद रोड स्थित जे.पी. पैलेस में रविवार को जीतो यूथ बॉलिंग बैटल का आयोजन किया गया। आयोजन में शहरभर से जैन समाज के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। युवाओं ने खेल के साथ आपसी मेलजोल, नेटवर्किंग एवं भाईचारे का आनंद लिया। बॉलिंग बैटल के दौरान युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। प्रतिभागियों ने पूरे जोश एवं उमंग के साथ एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी और खेल भावना का परिचय दिया। आयोजन के माध्यम से युवाओं को एक-दूसरे से जुड़ने, नए संबंध बनाने एवं सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने का अवसर मिला। जीतो यूथ आगरा का यह आयोजन युवाओं को खेल एवं सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से एकजुट करने तथा समाज के प्रति उनकी सहभागिता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रहा। कार्यक्रम के संयोजक चेतन जैन रहे। जीतो जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन जैन समाज के उत्थान एवं विकास के लिए युवा सहभागिता, बिजनेस नेटवर्किंग, शिक्षा एवं सामाजिक कल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। जीतो आगरा मेन विंग का नेतृत्व अध्यक्ष योगेश जैन पीएनसी एवं मुख्य सचिव नितिन जैन कर रहे हैं। वहीं, जीतो यूथ आगरा विंग का नेतृत्व अध्यक्ष अनुराग जैन, मयंक जैन एवं विभोर जैन, अक्षत जैन, सिद्धांत बैनाड़ा तथा संयुक्त सचिव प्रियांशी जैन कर रहे हैं। कार्यक्रम का समापन उत्साह एवं सकारात्मक ऊर्जा के साथ हुआ। युवाओं ने जीतो यूथ आगरा की इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे मनोरंजक, खेल एवं सामाजिक आयोजनों के निरंतर आयोजन की उम्मीद जताई।

व्यसन, फैशन के कारण खान-पान, आचार-विचार और वेशभूषा हो रहे दूषित: आचार्य वर्धमान सागर जी

मर्यादित एवं अहिंसक भोजन करने का दिया संदेश

सीकर. शाबाश इंडिया। पारस भवन दिगंबर जैन नसियां में चातुर्मास के लिए विराजमान आचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में रविवार को धर्मसभा आयोजित हुई। आचार्यश्री ने स्कूली छात्र-छात्राओं एवं समाजबंधुओं को संबोधित करते हुए खान-पान, आचार-विचार एवं जीवनशैली में संयम तथा अहिंसा का महत्व बताया। आचार्यश्री ने कहा कि चातुर्मास के दौरान अनेक पर्व आकर चले गए हैं और आगामी दिनों में भी महत्वपूर्ण पर्व आने वाले हैं। कुछ दिनों बाद 16 कारण पर्व एवं वात्सल्य रक्षाबंधन पर्व मनाया जाएगा। रक्षाबंधन पर्व पर 700 मुनिराजों के प्राणों की रक्षा हुई थी। 16 कारण भावनाओं में संपूर्ण जगत के प्राणियों के कल्याण की भावना से धर्म का मार्ग दिखाने तथा ''जो हम अपने लिए चाहते हैं, वही दूसरों के लिए भी चाहें और जो अपने लिए नहीं चाहते, वैसा दूसरों के लिए भी न करें'' की भावना रखी जाती है। ऐसी धर्ममय भावनाओं से तीर्थंकर नामकर्म प्रकृति का बंध होता है। भावना भव-नाशिनी होती है। आचार्यश्री ने कहा कि अरिहंत भगवान की देशना जिनागम के अनुसार जीवन को सुखी बनाने के सूत्र प्रदान करती है। जिनवाणी के अनुसार श्रावक को किस प्रकार चलना, उठना-बैठना, शयन करना एवं भोजन करना चाहिए, इसका विधान बताया गया है, ताकि जीवों की रक्षा हो और हिंसा से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि रात्रि में चारों प्रकार के आहार–खाद्य, पेय, लेह्य एवं स्वाद्य–का त्याग करने से विशेष पुण्यफल की प्राप्ति होती है। रात्रिभोजन नहीं करने के अनेक लाभ हैं। जिस प्रकार अनाज का उपयोग करने से पहले उसमें से कंकड़, जीव एवं कचरा निकालकर उसे साफ कर धोने एवं सुखाने के बाद उपयोग में लिया जाता है, उसी प्रकार जीवन की प्रत्येक क्रिया हिंसा एवं पाप से रहित होनी चाहिए।